Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 158
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-मंगलवार,07 अक्टूबर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

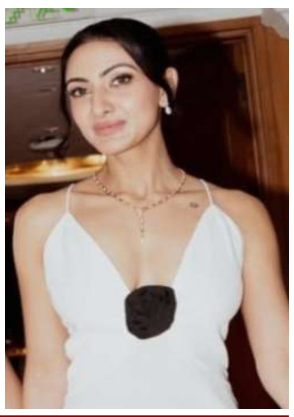

3 राजधानी लखनऊ में हुआ मिसेज मूनलाइट 2025 का
4 जनता को किया वोटिंग से किनारा, विपक्ष ने नकारा
5 हमारे परिवार की परी..भाभी नीलम के बर्थडे पर

चुनाव आयोग का ऐलान- 6 और 11 नवंबर होंगे बिहार में मतदान

जानिए कब आएगा परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आगामी छह नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले चरण में 121 और दूसरे चरण में 122 सीट के लिए मतदान होगा। बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीट हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह भी बताया कि चुनाव के लिए अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर को होगी, 18 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 20 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर को होगी, 21 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। उनके अनुसार, राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 3.92 करोड़ और महिला मतदाता 3.50 करोड़ हैं। कुमार ने बताया कि 14 लाख मतदाता बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान कर सकेंगे। बिहार की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग से अक्टूबर के अंत में छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने का आग्रह किया था, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि बड़ी संख्या में राज्य के बाहर काम करने वाले लोग उस दौरान त्योहारों के लिए घर लौटते हैं। राज्य में वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि में तीन चरणों में हुए थे। कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि किसी का नाम छूट गया है, तो नामांकन की तिथि से 10 दिन पहले तक अपना नाम जुड़वा सकते हैं। कुमार ने कहा, इस बार बिहार विधानसभा चुनाव न केवल मतदाताओं के लिए बहुत ही सुगम और सरल होंगे, न केवल कानून व्यवस्था पर पूर्ण निगरानी रखी जाएगी, बल्कि पूर्ण पारदर्शी तरीके से होने वाले ये चुनाव सबसे अच्छे चुनाव परिलक्षित हों, ऐसी आयोग की मंशा है। उन्होंने कहा कि आयोग सभी राजनीतिक दलों और सभी लोगों से सहयोग की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाए। कुमार ने कहा कि फर्जी खबरों और दुष्प्रचार पर आयोग की तरफ से कड़ी निगरानी रखी जाएगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, 17 नई पहल की जा रही हैं।

संस्कृत दिव्य ज्ञान की भाषा है, जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ भाव भी चाहिए तभी विश्व कल्याण का रास्ता निकलेगा: सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आने वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा संस्कृत ही होगी। उन्होंने कहा कि संस्कृत के उत्थान के लिए सरकार छात्रवृत्ति और उच्च स्तर पर शोध के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन सोमवार को वाराणसी के शिवपुर स्थित अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत महाविद्यालय में काशी अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा संचालित सिलाई-कढ़ाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र के 14वें सत्रांत के अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने लगभग 250 बालक-बालिकाओं को सिलाई मशीन, लैपटॉप एवं प्रमाण पत्र भी वितरित किये। सीएम योगी ने इस अवसर पर कहा कि दुनिया का पहला विश्वविद्यालय तक्षशिला भी भारत की ही देन है। उन्होंने कहा कि महाज्ञानी पाणिनि उसी के छात्र थे, जिनका व्याकरण हमें देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने दुनिया का पहला संस्कृत महाकाव्य रचा था और आने वाले समय में दुनिया को जोड़ने वाली भाषा संस्कृत ही होगी। उन्होंने कहा कि संस्कृत दिव्य ज्ञान की भाषा है जिसमें आध्यात्मिक ज्ञान के साथ भाव भी चाहिए तभी विश्व कल्याण का रास्ता निकलेगा। उन्होंने कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए अन्नपूर्णा आश्रम के महंत शंकर पुरी को धन्यवाद दिया।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह मठ देव वाणी संस्कृत के लिए भी लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा मंदिर के संस्कृत महाविद्यालय के बच्चे सभी कार्यक्रमों में वैदिक मंत्रोच्चार करके माहौल को आध्यात्मिक बना देते हैं।

दार्जिलिंग में बाढ़-भूस्खलन का कहर, 28 लोगों की मौत, कई लापता, राहत बचाव कार्य जारी

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। दार्जिलिंग में मूसलाधार बारिश के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 28 हो गयी है और पहाड़ी इलाकों और दुआर में लोगों को और ज्यादा बारिश का डर सता रहा है। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को दी। 28 मौतों में से 22 पहाड़ी इलाकों में और छह मौतें जलपाईगुड़ी जिले के दुआर में हुयी हैं। 60 से ज्यादा लोग घायल हैं और कई लोग लापता हैं क्योंकि कई दुर्गम इलाकों में सूचना नेटवर्क पूरी तरह से बहाल नहीं हो सका है। दार्जिलिंग के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मिरिक उपखंड में भूस्खलन में 11 लोगों की मौत हो गयी जबकि कई घर जमीन में दब गए। मिरिक का एक छोटा सा गांव, सौरेनी, पूरी तरह से तबाह हो गया है जहां एनडीआरएफ की टीम ने मलबे और भूस्खलन से पांच लोगों के शव निकाले हैं। यह क्षेत्र अब पूरी तरह से समतल हो चुका है क्योंकि वहां कोई घर नहीं बचा है और कुछ जिंदा लोग विनाश के बाद अपना बचा हुआ सामान भी अपने साथ लेकर वहां से जा चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, दार्जिलिंग सदर के सुखिया पोखरी ब्लॉक में छह लोगों की मौत हो गयी जबकि बिजनबाड़ी में एक व्यक्ति की मौत की खबर है। जलपाईगुड़ी के दुआरों में उफनती तीस्ता, महानंदा और तोर्षा नदियों में रविवार को छह लोग बह गए और कई लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। सूत्रों ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने कहा- प्रदेश में जल्द होंगे 400 सहायक प्रोफेसर के साक्षात्कार

हल्द्वानी (एजेंसी)। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के 125 छात्रों की व्हाइट कोट सेरेमनी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने छात्रों को शपथ दिलाई। उन्होंने घोषणा की कि जल्द 400 सहायक प्रोफेसर पदों के लिए साक्षात्कार होंगे। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले एमबीबीएस छात्र-छात्राओं की व्हाइट कोट सेरेमनी हुई। मुख्य अतिथि सांसद अजय भट्ट ने 125 छात्र-छात्राओं को व्हाइट कोट पहनाने के साथ ही महर्षि चरक शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में नियुक्ति के लिए जल्द 400 सहायक प्रोफेसर के इंटरव्यू होने वाले हैं। इनमें से 50 की नियुक्ति हल्द्वानी में होगी। मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में रविवार हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद भट्ट ने कहा कि राज्य निरंतर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित चिकित्सालयों में भी चिकित्सक और अन्य मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ आधुनिक मेडिकल उपकरण भी स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से हमेशा अपने मन में सेवा का भाव रखने का आह्वान किया। स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि प्रदेश में 400 बच्चों को सरकार अपने खर्चे पर पीजी करा रही है जिससे वर्ष 2027 तक शत प्रतिशत चिकित्सा विशेषज्ञ हमारे राज्य में उपलब्ध हो जाएंगे। बताया कि पिथौरागढ़ और रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज का संचालन भी अगले वर्ष हो जाएगा। रावत ने जानकारी दी कि प्रदेश में 180 प्रोफेसर और रीडर की नियुक्ति की गई थी जिसमें से 80 को ज्वाइनिंग दे दी गई है। अब राज्य में प्रत्येक 15 दिन में फैकल्टी इंटरव्यू होने जा रहे हैं। कार्यक्रम में विधायक बंशीधर भगत, मेयर गजराज सिंह बिष्ट, मंडी अध्यक्ष डॉ. अनिल डब्बू, दिनेश आर्या, दायित्वधारी सुरेश भट्ट, शंकर कोरंगा, निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य डॉ अजय आर्या, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. जीएस तितियाल, निदेशक कैंसर इंस्टीट्यूट डॉ. केसी पांडे, मेडिकल कॉलेज के एमएस डॉ. अरुण जोशी, सीएमओ डॉ. हरीश पंत ने छात्र छात्राओं को व्हाइट कोट पहनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से किया इनकार, तेलंगाना सरकार के आदेश को गई थी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तेलंगाना सरकार के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने जब संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका पर सुनवाई की इच्छा नहीं जताई, तब याचिकाकर्ता के वकील ने इसे वापस ले लिया और इसके साथ ही हाईकोर्ट का रुख करने की अनुमति मांगी। याचिका में क्या कहा गया था? 26 सितंबर 2025 को जारी सरकारी आदेश (जीओ) में पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण देने की बात कही गई थी। याचिका में कहा गया कि इस आदेश के कारण स्थानीय निकायों में कुल आरक्षण 67 फीसदी हो गया है। याचिका में यह दावा किया गया था कि यह आदेश सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय की गई 50 फीसदी आरक्षण की सीमा का उल्लंघन करता है। आठ अक्तूबर को हाईकोर्ट में तय है सुनवाई शुरूआत में ही बेंच ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा कि उन्होंने सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख अनुच्छेद 32 के तहत क्यों किया, जबकि यह अनुच्छेद केवल उन मामलों में प्रयोग होता है जहां मौलिक अधिकारों का हनन हुआ हो। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि कुछ याचिकाकर्ता पहले ही तेलंगाना हाईकोर्ट जा चुके हैं, जहां इस मामले की सुनवाई आठ अक्तूबर को तय है। उन्होंने यह भी बताया कि हाईकोर्ट ने सरकारी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पूछा, अगर हाईकोर्ट रोक नहीं लगाता तो आप अनुच्छेद 32 के तहत यहां आ जाएंगे? इसके जवाब में याचिकाकर्ता के वकील ने निवेदन किया कि उन्हें याचिका वापस लेने और हाईकोर्ट में जाने की अनुमति दी जाए। हाईकोर्ट में दाखिल याचिकाओं में क्या कहा गया? हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं में यह दलील दी गई है कि स्थानीय निकायों के आगामी चुनाव में 42 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था 50 फीसदी की कानूनी सीमा को पार कर रही है, जो कि सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के खिलाफ है।

ठाणे के शहापूर में बाल विवाह नाकाम, चार गिरफ्तार

महाराष्ट्र (एजेंसी)। डब्ल्यूसीडब्ल्यू अधिकारी की शिकायत पर बाल विवाह निषेध अधिनियम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक नाबालिग लड़की की शादी कराने की कोशिश के आरोप में सोमवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। खिनावली पुलिस थाने के निरीक्षक नितिन खैरनार ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और जिला बाल एवं महिला कल्याण (डब्ल्यूसीडब्ल्यू) की टीम रविवार को शहापूर के शेनवे स्थित 17 वर्षीय लड़की के घर में उसके हल्दी समारोह में पहुंची। खैरनार ने बताया कि लड़की के पिता, दूल्हा और उसके पिता तथा एक विवाह दलाल को गिरफ्तार किया गया हैं।

सीजेआई गवई पर हुए हमले की सोनिया गांधी ने की निंदा

कांग्रेस ने बताया शर्मनाक और घृणित कृत्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर सुप्रीम कोर्ट के अंदर हुए हमले की विपक्षी दलों ने आलोचना की है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हमला सिर्फ उन पर ही नहीं, बल्कि संविधान पर भी हमला है। सोनिया गांधी ने एक बयान में कहा, सर्वोच्च न्यायालय में भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर हुए हमले की निंदा करने के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। यह न केवल उन पर, बल्कि हमारे संविधान पर भी हमला है। मुख्य न्यायाधीश गवई बहुत दयालु रहे हैं, लेकिन पूरे देश को गहरी पीड़ा और आक्रोश के साथ उनके साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर हुए हमले की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक कहा कि यह नासमझी भरा कृत्य दर्शाता है कि नफरत और कट्टरता ने समाज को किस हद तक जकड़ लिया है। खड़गे ने एक्स पर लिखा, आज सर्वोच्च न्यायालय में भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश पर हमले का प्रयास अभूतपूर्व, शर्मनाक और घृणित है। यह हमारी न्यायपालिका और कानून के शासन की गरिमा पर हमला है। उन्होंने कहा कि यह परेशान करने वाला है कि एक वर्तमान न्यायाधीश, जो योग्यता, ईमानदारी और दृढ़ता के बल पर देश के सर्वोच्च न्यायिक पद तक पहुंचे, उनको इस तरह निशाना बनाया गया।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिए जाने को चुनौती देने वाली उनकी पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की एक याचिका पर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से जवाब मांगा है। याचिका में वांगचुक की तत्काल रिहाई का अनुरोध किया गया है। हालांकि, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ ने सोनम वांगचुक को हिरासत में लिए जाने के कारणों के बारे में उनकी पत्नी को जानकारी उपलब्ध कराने के संबंध में आदेश देने से इनकार कर दिया और मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर तक स्थगित कर दी। वांगचुक को 26 सितंबर को कड़े रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था। इससे दो दिन पहले लद्दाख को राज्य का दर्जा देने एवं छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों में केंद्र शासित प्रदेश में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे। वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं।

बेंगलुरु में कार की चपेट में आने से बच्चे की मौत

बेंगलुरु (एजेंसी)। बच्चा वाहन के पीछे से आया और वाहन की चपेट में आ गया। अधिकारी ने बताया कि चालक ने तुरंत बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। बेंगलुरु में सोमवार को एक कार की चपेट में आने से 11 माह के बच्चा की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृत बच्चें की पहचान अजान के रूप में हुई है। यह दुखद घटना यहां मगदी रोड पर स्थित एक घर में सुबह करीब नौ बजकर 45 मिनट हुई। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मकान मालिक अपनी कार पीछे कर रहा था और वह किरायेदार के बच्चे को नहीं देख पाया।

दिवाली पर हरित पटाखों पर प्रतिबंध हटाने के लिए दिल्ली सरकार न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी: रेखा गुप्ता

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में दिवाली पर हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। गुप्ता ने कहा कि सरकार उच्चतम न्यायालय के समक्ष लिखित रूप में अपना पक्ष रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार प्रमाणित हरित पटाखों के उपयोग, जनभागीदारी सुनिश्चित करने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश मांगेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवाली सबसे बड़े त्योहारों में से एक है और उनकी सरकार ने शहर में करोड़ों लोगों द्वारा इस त्योहार को मनाने के मद्देनजर अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार प्रदूषण को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और पर्यावरण की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है तथा इस संबंध में जारी किसी भी निर्देश को लागू करने में उच्चतम न्यायालय को पूर्ण सहयोग का आश्वासन देती है। अदालत के आदेशानुसार, दिल्ली में सभी प्रकार के पटाखों पर प्रतिबंध है।

कफ सिरप कांड में सीएम का बड़ा एक्शन; ड्रग कंट्रोलर हटाए गए, डिप्टी डायरेक्टर समेत तीन अफसर निलंबित

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में हड़कंप मचा देने वाले कफ सिरप कांड में मप्र सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। कई अफसरों पर गाज गिरी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि छिंदवाड़ा प्रकरण में सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार सजग और संवेदनशील है, मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस क्रम में औषधि निरीक्षक छिंदवाड़ा गौरव शर्मा, औषधि निरीक्षक जबलपुर शरद कुमार जैन, उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन शोभित कोस्टा को निलंबित और आईएएस अधिकारी ड्रग कंट्रोलर दिनेश मौर्य को अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है। मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा प्रकरण के संबंध में सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अभियान चलाकर घर-घर से रिकवर करें प्रतिबंधित दवा मुख्यमंत्री ने कहा कि कोल्ड्रिफ सिरप के बेचने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही दुकानों में उपलब्ध स्टॉक जब्त किया जाए। छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में जिन परिवारों ने यह दवा ली है, उनके घरों से दवा रिकवर करने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। आशा-ऊषा कार्यकताओं के साथ ही सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों का सहयोग लिया जाए। कोल्ड्रिफ सिरप दवा के अलावा पिछले दिनों क्षेत्र में बिकने वाली अन्य दवाओं की प्रभावशीलता का भी आकलन कराया जाए। दवाओं पर जो चेतावनी और सावधानियां लिखी जानी चाहिए, वह लिखी जा रही है या नहीं इसकी जांच के लिए अभियान आरंभ किया जाए। इन नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जाए। चार वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कॉम्बिनेशन ड्रग नहीं देने की व्यवस्था है, जो डॉक्टर इस व्यवस्था का पालन नहीं कर रहे हैं, उन पर भी कार्रवाई की जाए।

यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया

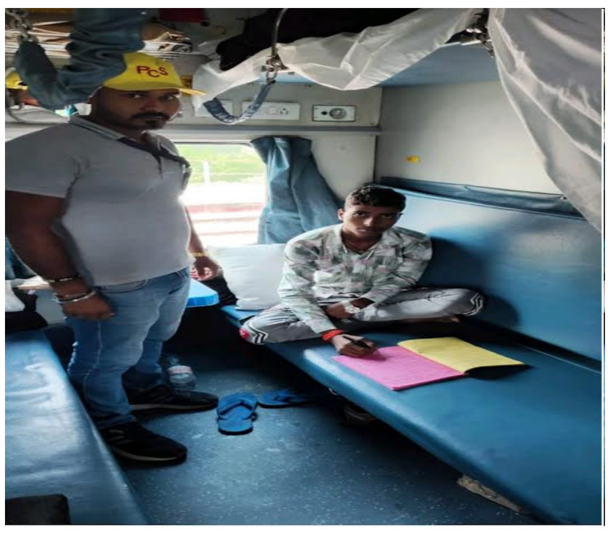

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के छठवें दिन 06 अक्टूबर, 2025 को स्वच्छ रेलगाड़ी (क्लीन टेªन) थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों, ट्रेनों एवं रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालयों तथा प्लेटफार्मों की विशेष साफ-सफाई की गई। यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छ रेलगाड़ी (क्लीन टेªन)ह्य थीम के अन्तर्गत लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा ट्रेनों में लिनेन के साफ-सफाई की जांच की गई। इस दौरान पेण्ट्रीकार की जांच की गई तथा यात्रियों से फीडबैक प्राप्त किया गया एवं ओ.बी.एच.एस. स्टाफ को सम्मानित करने हेतु नामित किया गया। वाराणसी मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर बोतल क्रशर मशीन के उपयोग के बारे में यात्रियों को जागरूक किया गया तथा यात्रियों को प्लास्टिक की बोतल खुले स्थानों में न फेकने हेतु प्रेरित किया गया ताकि नालियाँ के बहाव में रूकावट न हो। इस दौरान 120 रेलवे कर्मचारियों एवं अनुबन्ध कर्मचारियों द्वारा नालियों की सफाई की गई। यात्रियों को प्लेटफार्म पर कूड़ा एवं कचरे के पृथक्कीकरण हेतु अलग-अलग डस्टबिन में डालने हेतु जागरूक किया गया। कर्मचारियों द्वारा स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत के पोस्टर, बैनर के माध्यम से सामूहिक स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छ रेलगाड़ीह्य थीम के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान चलाकर ट्रेनों के प्रसाधनों एवं स्टेशनों के प्रतीक्षालय, प्रसाधन की सफाई की गई। निरीक्षकों द्वारा स्वच्छता उपकरणों की जांच की गई तथा वाटर टैंक की सफाई कराई गई। विभिन्न संदेशपरक पोस्टरों के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया गया।

आपदा में मिलकर काम करेंगे तीन एजेंसियां, दिल्ली में समझौता पत्र पर हुआ हस्ताक्षर

गोरखपुरः रेलवे सुरक्षा बल (RPF), भारतीय रेल आपदा प्रबंधन संस्थान (IRIDM) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) के

बीच आज नई दिल्ली में एक त्रिपक्षीय समझौता (MoU) पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौते का उद्देश्य रेल सुरक्षा बल को प्रशिक्षित फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स बल के रूप में तैयार करना है जो आपदा के गोल्डन आवर में त्वरित बचाव और राहत कार्य कर सके। यह साझेदारी रेल सुरक्षा को एक नई दिशा प्रदान करेगी और आपदा प्रबंधन में भारतीय रेल की क्षमता को और सशक्त बनाएगी। इस अवसर पर नेशनल डिजास्टर रिलीफ फोर्स के महानिरीक्षक नरेंद्र सिंह बुंदेला, IRIDM के निदेशक वी. वी. एस. श्रीनिवास तथा जगजीवन राम रेल सुरक्षा बल अकादमी, लखनऊ के निदेशक बी. वेंकटेश्वर राव ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता के तहत RPF कर्मियों को NDRF बटालियन में लघु-अवधि के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। जिनमें आपदा प्रतिक्रिया, खोज एवं बचाव, बाढ़/जल-आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और संयुक्त अभ्यास जैसे विषय शामिल होंगे। इसके बाद IRIDM, बेंगलुरु में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जहां RPF और NDRF कर्मी एक साथ भाग लेंगे। टङ्कव के अंतर्गत JR RPF अकादमी, लखनऊ को प्रशिक्षण के लिए नोडल संस्थान के रूप में नामित किया गया है। यह कार्यक्रम पूरे देश में रेलवे सुरक्षा विशेष बल के लिए लागू होगा। इसके माध्यम से आपदा प्रतिक्रिया के क्षेत्र में फ्ञ्च्थ्एवं ठअफ्तक्के बीच एक सुदृढ़ सहयोग ढाँचा तैयार होगा, जो देश भर में रेल यात्रियों की सुरक्षा को एक नई ऊँचाई पर ले जाएगा।

खराब पड़े 88 टेलीफोन पाइप को जोड़कर बनाई नालियां

वाराणसी। बीएचयू के छात्रों ने एक हॉस्टल में ऐसे सिस्टम तैयार किया है, जिसने यहां बारिश के बाद जलभराव नहीं होने दिया। बारिश बंद होते ही पानी सीधे जमीन के नीचे पाइपों के जाल से होते हुए मुख्य निकासी में मिल गया। बनारस में 187 मिमी बारिश के बाद बीएचयू में चारों ओर कमर तक जलभराव की समस्या देखने को मिली। वहीं, दूसरी ओर बीएचयू का एक हॉस्टल ऐसा भी था जिसके रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम ने 10 मिनट भी हॉस्टल परिसर में पानी नहीं लगने दिया। बारिश बंद होते ही पानी सीधे जमीन के नीचे पाइपों के जाल से होते हुए मुख्य निकासी में मिल गया। इस हॉस्टल में रहने वाले छात्रों ने ही ये सिस्टम तैयार किया है। बीएचयू के सरदार वल्लभ भाई पटेल हॉस्टल में नौ जगहों पर वाटर ड्रेन बनाए गए हैं, जिनकी गहराई 10-10 फीट तक है। इससे पानी धीरे-धीरे जमीन के अंदर चला जाता है। दशकों से बेकार पड़े 88 टेलीफोन पाइप को निकाला गया और कुछ पाइप की वेल्डिंग कराई और जमीन के अंदर नाली बनाकर कुल 19 चेंबर बनाए। इन सभी छोटे- छोटे चेंबर्स के सहारे सभी तरह की जल निकासी को मुख्य चेंबर के साथ जोड़ दिया गया। इसमें 12 वाटर कूलर फिल्टर भी लगाए गए हैं। इस सिस्टम को हॉस्टल के प्रशासनिक संरक्षक डॉ. धीरेंद्र राय और उनके छात्रों की टीम ने तैयार किया है, जिसमें आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिक प्रो. वी कुमार की मदद ली गई है।

स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन, शस्त्र पूजन के साथ मनाई विजयादशमी

बस्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर रविवार को शिवहर्ष किसान डिग्री कॉलेज परिसर में विजयादशमी उत्सव एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासन और देशभक्ति पर आधारित शौर्य कलाओं का अद्भुत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुद्वारा कमेटी कंपनीबाग के प्रबंधक हरि सिंह बबलू ने किया। मुख्य वक्ता गोरक्ष प्रांत के सह प्रांत प्रचारक सुरजीत ने कहा कि संघ की शताब्दी यात्रा को समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। आरएसएस अखंड भारत की कल्पना लिए हिंदू समाज के प्रत्येक वर्ग को एकता के ढांचे में खड़ा करने का सतत अभियान चला रहा है।

स्कूल से लौट रही छात्रा से दुष्कर्म की कोशिश

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र में एक स्कूली छात्रा के साथ मारपीट और दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर एसपी अभिनंदन के आदेश पर पुलिस ने रविवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वाल्टरगंज क्षेत्र निवासी महिला ने बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी 25 सितंबर को स्कूल गई थी।

कार छोड़ भागे युवक डेढ़ घंटे तक चक्काजाम

वाराणसी। सड़क हादसे की सूचना पाकर मौके पर कपसेठी थाने की पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों से जानकारी लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। कार सवार युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। कपसेठी थाना क्षेत्र के भूसौला बाराडीह गांव के पास रविवार की शाम छह बजे तेज रफ्तार अर्टिगा कार की टक्कर से स्कूटी सवार पुजारी आशीष मिश्रा (35) और मजदूर शंकर (55) की मौत हो गई। टक्कर लगते ही हवा में पांच फीट तक दोनों उछले और सड़क पर गिरते ही दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद कार छोड़कर चालक समेत अन्य युवक भाग निकले। आक्रोशित लोगों ने कपसेठी-बाबतपुर मार्ग पर शव रखकर डेढ़ घंटे तक चक्काजाम किया। एसडीएम के समझाने पर परिजन माने और कपसेठी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा। कपसेठी थाना क्षेत्र के बाराडीह नोनरा निवासी आशीष मिश्रा और बाराडीह मछहा निवासी शंकर शाम के समय स्कूटी से कपसेठी की ओर से घर लौट रहे थे।

कपसेठी-बाबतपुर मार्ग स्थित बाराडीह भूसौला के पास पहुंचे थे कि सामने से तेज रफ्तार में आ रही अर्टिगा कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। तेज रफ्तार होने के कारण स्कूटी सवार दोनों हवा में उछलते हुए सड़क पर गिरे, घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। हादसे के बाद अगला पहिया ब्रस्ट और बंफर क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहन छोड़कर भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही आशीष और प्रेम के परिजन पहुंचे और ग्रामीणों के साथ शव रखकर सड़क जाम कर दिए। कपसेठी पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन परिजन गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। एसडीएम शांतनु कुमार मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाया कि आर्थिक सहायता और कार सवारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इसके बाद ग्रामीण लगभग साढ़े 8 बजे जाम समाप्त कर दिया। सात बजे से 8.30 बजे तक चक्काजाम होने के कारण दोनों तरफ वाहनों की कतार लगी रही। परिजनों ने पुलिस को बताया कि शंकर मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। घटना के बाद पत्नी इसरावती देवी का रो-रोकर बेहाल थी। शंकर के दो बेटे हैं। उधर, आशीष मिश्रा स्थानीय एक मंदिर में पुजारी था और पूजा-पाठ कराता था। आशीष को दो बेटे और तीन बेटियां हैं। कपसेठी थाना प्रभारी सधुवन राम गौतम ने बताया कि कार के रजिस्ट्रेशन के आधार पर वाहन मालिक की पहचान कर ली गई है। कार कब्जे में है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया जा रहा है।

अरब सागर में सक्रिय हुआ शक्ति चक्रवात

कानपुर। जम्मू और इसके आसपास के क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। 10 अक्तूबर के आसपास मानसून वापसी की संभावना है। यूपी से अभी मानसून की वापसी नहीं होगी। अरब सागर में शक्ति नामक चक्रवात के सक्रिय होने की वजह से फिर बादलों का रुख कानपुर सहित उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों की ओर हो गया है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि सात अक्तूबर से यहां पर फिर से हल्की बारिश हो सकती है। छह अक्तूबर को ही बादल आ जाएंगे। इससे दिन में धूप का असर भी कम हो सकता है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू और इसके आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है। इसी तरह छह अक्तूबर को एक दूसरा पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र को प्रभावित करेगा। इसकी वजह से मध्य और उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। बताया कि मानसून की वापसी के लिए 10 अक्तूबर के आसपास स्थितियां बन रही हैं। अभी दक्षिण पश्चिमी मानसून वापसी की रेखा के बीच रुका है। अगले कुछ दिनों तक यूपी सहित बिहार और मध्य प्रदेश व पश्चिमी यूपी के अधिकांश जिलों में तेज बारिश होने की संभावना है। नमी का असर कानपुर और इसके आसपास के क्षेत्रों में भी पड़ेगा। ऐसे में तापमान में भी कमी आ सकती है। इस बीच रविवार को धूप निकलने की वजह से अधिकतम तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 34.3 और न्यूनतम 0.7 डिग्री की बढ़त के साथ पारा 23 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हवा-बारिश से धान की पकी फसल को हो सकता नुकसान इस बार मानसून के लंबा खिंचने की वजह से इस समय खेतों में खड़ी धान की पकी फसल बारिश और हवा के आने से गिर सकती है। धान में बालियां आ गई हैं। फसल गिरने से पैदावार पर भी असर पड़ेगा। इसी तरह खेतों में नमी बने रहने से अगली फसल जैसे आलू की बोआई के लिए खेत तैयार नहीं हो पांएगे। ऐसे में बोआई समय से नहीं हो पाएगी जिससे पैदावार पर असर पड़ेगा।

मंत्री समझाने पहुंचे जीएसटी का गणित

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में नेहरू हाल में आयोजित कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर जीएसटी के बारे में लोगों को अवगत कराने पहुंचे। इस दौरान पीछे नेताओं के बीच मारपीट शुरू हो गई। जीएसटी की घटी दरों को लेकर भाजपा की ओर से नेहरू हाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जिले के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर पहुंचे। उनके मंच पर पहुंचते ही भाजयुमो जिलाध्यक्ष आजमगढ़ निखिल राय और भाजयुमो जिला मंत्री लालगंज अमन श्रीवास्तव में मारपीट हो गई। इसके बाद मामला कोतवाली पहुंच गया। कोतवाली में भी दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। क्या है पूरा मामला जानकारी के अनुसार जीएसटी पर चर्चा को लेकर भाजपा की ओर से नेहरू हाल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जिले के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर को आना था। भाजपा कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए अमौड़ा टोल प्लाजा पहुंच गए थे। टोल प्लाजा पर लोगों ने प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। जब यहां से गाड़ियों का काफिला आगे बढ़ा तो गाड़ियों के साइड और ओवरटेक को लेकर भाजयुमो आजमगढ़ जिलाध्यक्ष निखिल राय और भाजयुमो लालगंज के जिला मंत्री अमन श्रीवास्तव के बीच विवाद हो गया। रास्ते का यह विवाद नेहरू हॉल तक पहुंच गया। प्रभारी मंत्री के मंच पर पहुंचने के साथ ही दोनों एक बार फिर भिड़ गए। इसके बाद दोनों के बीच जमकर मारपीट हो गई। तब मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने हस्तक्षेप किया और दोनों को लेकर बाहर आई। इसके बाद दोनों को कोतवाली लाया गया। जानकारी होते ही काफी संख्या में दोनों के समर्थक कोतवाली पहुंच गए। एक पक्ष इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग करने लगा। वहीं कोतवाली परिसर में नगर कोतवाली प्रभारी और सीओ मामले को सुलझाने में जुटे थे। सीओ तो 151 में दोनों के चालान की बात कहकर चलते बने लेकिन उनके जाने के बाद कोतवाली प्रभारी के सामने ही दोनों पक्ष एक बार फिर से हाथापाई करने लगे। इसके बाद समर्थक भी कोतवाली में घुसकर गाली गलौज करने लगे। समाचार लिखे जाने तक दोनों पक्ष कोतवाली में जमे हैं और हंगामा जारी है।

चरित्र के संदेह में पत्नी की हत्या के बाद पति ने फंदा लगा दी जान

कानपुर। पत्नी की हत्या के बाद पति ने मौत को गले लगा लिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। महाराजपुर थानाक्षेत्र के सरसौल रेलवे स्टेशन किनारे बंबुरिहा गांव में पति ने पारिवारिक कलह और पत्नी पर चरित्र के संदेह में हत्या करने के बाद खुद दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटक जान दे दी। मृतक के छोटे भाई रामबाबू ने बताया कि बड़े भाई श्रीबाबू (35) का पहला विवाह 2009 में शाहपुर साढ़ क्षेत्र में ननकी के साथ हुआ था। पहली पत्नी कई वर्षों पहले छोड़कर किसी अन्य रिश्तेदार के साथ चली गई थी। जिसके बाद श्रीबाबू अपने दो बेटियो ननकी तथा लली के साथ रहता था। 2018 मार्च में श्रीबाबू ने दूसरा विवाह शांति गौतम के साथ किया था। जानकारी के मुताबिक शांति ने भी अपने पहले पति को छोड़कर श्रीबाबू से विवाह किया था। जिनसे तीन बच्चे नित्या, अंकुश और अर्पित हुए। श्रीबाबू मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि करीब तीन माह पहले से एक अनजान व्यक्ति द्वारा फोन पर शांति से बात की जाती थी तथा वह उसी व्यक्ति के साथ जाने की जिद करते हुए आए दिन लड़ाई झगड़ा करती थी। महीनों से चली आ रही पारिवारिक कलह ने बीती रात बड़ा रूप ले लिया। बेटी लली ने बताया कि मम्मी-पापा का झगड़ा हो रहा था जिसके बाद हम चारों लोग सो गए थे। सुबह जब जगे तो पापा घर के बाहर छत की धन्नी से लटके हुए थे तथा मम्मी नीचे चारपाई पर पड़ी थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेसिक टीम को बुलाकर जांच पड़ताल करते हुए साक्ष्य एकत्रित किए तथा दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वोत्तर रेलवे के पूर्व मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री गोविन्द बल्लभ

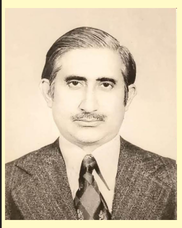

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे के पूर्व मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री गोविन्द बल्लभ का 01 अक्टूबर, 2025 को 86 वर्ष की आयु में पुणे में निधन हो गया। श्री गोविन्द बल्लभ के निधन पर पूर्वोत्तर रेलवे के जनसम्पर्क विभाग में आयोजित शोक सभा में मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह तथा सभी पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों ने 02 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ज्ञातव्य है कि श्री गोविन्द बल्लभ ने पूर्वोत्तर रेलवे पर अपनी सेवायें देने के उपरान्त रेलवे स्टाफ कॉलेज, वडोदरा में प्रोफेसर, मंडल रेल प्रबन्धक/राजकोट, मंडल रेल प्रबन्धक/वडोदरा, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक, उत्तर रेलवे के दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। आपने दिल्ली एवं लखनऊ मेट्रो के ट्रैफिक एडवाइजर का भी दायित्व निभाया।

कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस भगवानपुर स्टेशन पर 05.48 बजे पहुंचकर 05.50 बजे छूट रही

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 15707/15708 कटिहार-अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस का 02 मिनट का प्रायोगिक ठहराव पूर्व-मध्य रेलवे के सोनपुर मण्डल के भगवानपुर स्टेशन पर तत्काल प्रभाव से निम्नवत प्रदान किया जा रहा है।

-कटिहार से 05 अक्टूबर,2025 से चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस भगवानपुर स्टेशन पर 05.48 बजे पहुंचकर 05.50 बजे छूट रही है।

-अमृतसर से 05 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस भगवानपुर स्टेशन पर 13.48 बजे पहुंचकर 13.50 बजे छूट रही है।

नियमित होने के साथ ही गाड़ी के संख्या में परिवर्तन किया गया

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व से चलाई जा रही 05297/05298 पाटलिपुत्र-बलिया-पाटलिपुत्र विशेष गाड़ी के संचलन को तत्काल प्रभाव से नियमित कर दिया गया। नियमित होने के साथ ही गाड़ी के संख्या में परिवर्तन किया गया है। अब यह गाड़ी 63333/63334 पाटलिपुत्र-बलिया-पाटलिपुत्र नम्बर से निर्धारित मार्ग, समय एवं ठहराव पर चलाई जा रही है।

2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में 06 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-छपरा से चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 10 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 708 बर्थ तथा 17 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 773 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 05305 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी में 09 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 817 एवं शयनयान श्रेणी में 165 बर्थ, 13 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 823 एवं शयनयान श्रेणी में 194 बर्थ तथा 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 809 एवं शयनयान श्रेणी में 226 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 09 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 50, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 206 एवं शयनयान श्रेणी में 130 बर्थ, 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 27 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 71 बर्थ तथा 23 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 02 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट पूजा विशेष गाड़ी में 12 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 30, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 107 एवं शयनयान श्रेणी में 186 बर्थ तथा 19 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 38, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 155 एवं शयनयान श्रेणी में 462 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 04118 लालकुआँ-प्रयागराज जं. पूजा विशेष गाड़ी में 10 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 28, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 71 एवं शयनयान श्रेणी में 411 बर्थ, 17 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 23, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 45 एवं शयनयान श्रेणी में 332 बर्थ तथा 24 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 29, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 39 एवं शयनयान श्रेणी में 403 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 04182 लालकुआँ-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) पूजा विशेष गाड़ी में 08 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 27, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 66 एवं शयनयान श्रेणी में 368 बर्थ, 15 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 28, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 65 एवं शयनयान श्रेणी में 398 बर्थ, 22 अक्टूबर, 2025 को चलने वाली 04182 लालकुआँ-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) पूजा विशेष गाड़ी के वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 17, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 64 एवं शयनयान श्रेणी में 368 बर्थ तथा 29 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 30, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 80 एवं शयनयान श्रेणी में 416 बर्थ उपलब्ध है।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी में 09 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 102, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 317 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 113 बर्थ, 16 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 100, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 328, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 102 एवं शयनयान श्रेणी में 236 बर्थ, 23 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 79, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 315 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 102 बर्थ तथा 30 अक्टूबर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 01 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 21 बर्थ उपलब्ध है।

भारतीय महिला टीम की जीत से उत्साहित हुए इरफान पठान, बिना नाम लिए पाकिस्तान पर इस तरह कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इरफान ने पाकिस्तान का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा भारतीय टीम के दबदबे पर था। दरअसल, पिछले चार रविवार से लगातार भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत हो रही है और चारों ही बार भारतीय टीमों ने इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को मात दी है। भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान पर अपना दबदबा बरकरार रखते हुए वनडे विश्व कप में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान की महिला टीम भारत के सामने वनडे में कभी जीत हासिल नहीं कर सकी है। दोनों टीमों के बीच इस प्रारूप में अब तक 12 बार भिड़ंत हुई है और सभी बार भारतीय टीम को सफलता मिली है। इस जीत के बाद पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर तंज कसा है। गेंदबाजों के दम पर जीता भारत ने पाकिस्तान को 88 रन से हराकर महिला विश्व कप में अपना अभियान जारी रखा है। इससे पहले हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम ने श्रीलंका को हराया था।

राजधानी लखनऊ में हुआ मिसेज मूनलाइट 2025 का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। मिसेज मूनलाइट 2025 एक भव्य आयोजन रहा, जिसमें शालीनता, आत्मविश्वास और नारी सशक्तिकरण का शानदार संगम देखने को मिला। इस कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन मिसेज दीपिका सिंह भदौरिया और सुश्री प्रियांशी पांडेय द्वारा किया गया। यह आयोजन शीरोज हैंगआउट कैफे, अंबेडकर पार्क के सामने, विपिन खंड, गोमती नगर, लखनऊ में हुआ। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से आई प्रेरणादायी महिलाओं ने अपनी प्रतिभा, गरिमा और व्यक्तित्व का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं सुश्री श्रुति सिंह, प्रिंसिपल, लोयोला इंटरनेशनल स्कूल। कार्यक्रम का शुभारंभ सौम्या वर्मा और उनकी टीम द्वारा देवी की स्तुति और फिर अन्य नृत्य प्रस्तुतियों के साथ हुआ। मुख्य आकर्षण रहा मिसेज मूनलाइट 2025 का ताज, जिसे मीनू आहूजा ने जीतकर अपनी सुंदरता, गरिमा और आंतरिक शक्ति का परिचय दिया। विजेता को प्रतिष्ठित ताज के साथ एक हीरे की अंगूठी प्रदान की गई। प्रथम व द्वितीय उपविजेता क्रमशः शिवांगी राजपूत और नीलम सिंह रहीं। कार्यक्रम में लगभग 20 से अधिक विशेष शीर्षक जैसे मिस बेस्ट कैटवॉक, मिस ब्यूटीफुल हेयर आदि भी प्रदान किए गए। प्रतिभागियों और अतिथियों ने मनोरंजक खेलों में भाग लेकर आकर्षक उपहार जीतने का अवसर भी मिला। न्यायाधीशों के पैनल में सुश्री सुप्रिया सिंह बघेल, सुश्री प्रियंका दीक्षित, सुश्री शिवांगी बाजपेयी और सुश्री राखी आहूजा शामिल थीं। अलायंस क्लब्स इंटरनेशनल इस आयोजन के एनजीओ पार्टनर रहे। अलायंस क्लब्स डिस्ट 102 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अलाय अरविंद भटनागर व ट्रेजरार सुनीता भटनागर भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजक मिसेज दीपिका सिंह भदौरिया और सुश्री प्रियांशी पांडेय ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मिसेज मूनलाइट 2025 का उद्देश्य ऐसी महिलाओं को सम्मानित करना है जो शक्ति और करुणा का संतुलन बनाकर दूसरों को प्रेरित करती हैं। संगीत, उत्सव और भावनाओं से भरी इस शाम का समापन सभी सहयोगियों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद के साथ हुआ इस आयोजन में मिसेज ब्यूटीफुल आईज का खिताब प्रियंका सिंह को प्रदान किया गया, जबकि मिसेज ब्यूटीफुल मेहँदीबानीं सौंगीता सिंह। आरती कोचर मिसेज कॉन्फिडेंट बनीं मिसेज एलिगेंट का खिताब संयुक्त रूप से रूफी इरशाद और जीनत मरियम को दिया गया। वहीं मिसेज ब्यूटीफुल हेयर के सम्मान से पैट्रिशिया को नवाजा गया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि पूजा, मीता, नीलम और शिवांगी के साथ-साथ शाहिंदा, रूफी, जीनत और पैट्रिशिया ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और इस तरह यह आयोजन अनेकता में एकता का सुंदर उदाहरण बन गया।

बाल्मीकि जयंती आज, सरकारी अवकाश घोषित

लखनऊ (संवाददाता)। आश्विन मास की पूर्णिमा को पूरा देश महर्षि वाल्मीकि जयंती मना रहा है। यह महज पर्व नहीं बल्कि उन मूल्यों और सिद्धांतों का उत्सव है जिन्हें आदिकवि वाल्मीकि ने अपने जीवन और काव्य के माध्यम से समाज को दिया। मानवता, धर्म, और नैतिकता के प्रतीक इस महान ऋषि की जयंती इस बार कल 7 अक्टूबर को मनाई जाएगी।आध्यात्मिक उत्सव और सांस्कृतिक रंग में रँगा भारत इस दिन पूरे देश में भक्ति और आस्था का माहौल रहेगा। मंदिरों, समुदायिक केंद्रों और सांस्कृतिक स्थलों पर विशेष आयोजन होंगे। रामायण के रचयिता को याद करते हुए लोग उनकी शिक्षाओं और जीवन-दर्शन को अपनाने का संकल्प लेंगे। उत्तर प्रदेश, दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों ने इस दिन को सरकारी अवकाश घोषित कर दिया है, जिससे यह पर्व और व्यापक रूप से मनाया जा सके। योगी सरकार ने इस अवसर पर प्रदेशभर में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। कल सरकारी और गैर-सरकारी संस्थान, स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद रहेंगे। यह अवकाश दिसंबर 2024 में कैलेंडर में पहले ही दर्ज था, अब इसकी औपचारिक पुष्टि के साथ शासन ने स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए हैं लखनऊ समेत शहरों में शोभायात्राएं, धार्मिक झांकियां और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। समाज में वाल्मीकि के विचारों को प्रसारित करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। महर्षि वाल्मीकि सिर्फ एक कवि या संत नहीं थे, वे भारतीय सभ्यता के उन शिल्पकारों में एक हैं जिन्होंने धर्म, कर्तव्य और करुणा को एक महाकाव्य के रूप में गढ़ा। रामायण केवल ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक शैली है जिसे उन्होंने लोक तक पहुंचाया। इस वर्ष उनकी जयंती ऐसे समय पर आ रही है।

संक्षिप्त खबरें

मालेगांव ब्लास्ट मामले में निर्णय हुआ है, न्याय नहीं मिला: सुधाकर चतुर्वेदी

लखनऊ (संवाददाता)। मालेगांव बम विस्फोट मामले से बरी हुए सुधाकर चतुर्वेदी ने आज यहां कुर्सी रोड स्थित अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के मुख्यालय में कहा कि मालेगांव बम धमाके के मामले में आरोपियों को बरी करने का निर्णय जरूर दिया गया है, लेकिन उन्हें कोई न्याय नहीं मिला है, वास्तविक न्याय तभी मिलेगा जब तक असली दोषी सामने नहीं आ जाते। श्री चतुर्वेदी ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मालेगांव बम विस्फोट की आड़ में हिन्दू समाज और हिन्दू भगवा को आतंकवाद का नाम देकर बदनाम करने का भरसक प्रयास किया, लेकिन न्यायालय ने इस मामले में फंसाये गये आरोपियों को बरी कर कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इससे पहले अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के मुख्यालय पहुँचे श्री सुधाकर चतुर्वेदी का मंत्रोच्चारण के बीच उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी, प्रवक्ता बाबा महादेव, राष्ट्रीय संयोजक पंकज तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रमौलि शुक्ला, आचार्य शिवपूजन दीक्षित सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा कि मालेगांव ब्लास्ट मामले में श्री सुधाकर चतुवेर्दी भले ही बरी कर दिया गया हो लेकिन इस मामले में झूठा फंसा कर उनके महत्वपूर्ण जीवन के समय को बर्बाद किया गया, इसकी भरपाई तभी संभव हो सकेगी जब तक इस मामले के असली दोषी कटघरे में नहीं होंगे।

यूपी पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, चार आईपीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शासन ने पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल किया है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश में चार आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इन तबादलों का असर राजधानी लखनऊ, औद्योगिक शहर कानपुर और राज्य पुलिस मुख्यालय तक देखने को मिलेगा। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी दीपेश जुनेजा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अभियोजन नियुक्त किया गया है। जुनेजा अब तक कई अहम जिम्मेदारियों पर तैनात रह चुके हैं और अपने सख्त प्रशासनिक रवैये के लिए जाने जाते हैं। आईपीएस विनोद कुमार सिंह को डीजी सीआईडी के साथ-साथ डीजी साइबर क्राइम का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। साइबर अपराधों में हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए यह कदम अहम माना जा रहा है। उम्मीद है कि सिंह की अगुवाई में राज्य में डिजिटल अपराधों की मॉनिटरिंग और रोकथाम को लेकर नई रणनीतियां लागू होंगी। आईपीएस अधिकारी रघुवीर लाल को कानपुर का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। कानपुर जैसे संवेदनशील और औद्योगिक क्षेत्र में उनकी तैनाती को अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। आईजी स्तर के अधिकारी तरुण गाबा को आईजी रेंज लखनऊ का कार्यभार सौंपा गया है। इसके साथ ही उन्हें आईजी सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। गाबा का अनुभव लखनऊ की पुलिसिंग व्यवस्था को और सुदृढ़ करने में मददगार साबित होगा।

बिहार में मछुआ समाज हित-अहित और अनुसूचित आरक्षण के मुद्दे को देखकर करेगा मतदान-निषाद

लखनऊ (संवाददाता)। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के पश्चात निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि बिहार का मछुआ समाज अब पूरी तरह जागरूक हो चुका है और वह अपने हित-अहित के साथ-साथ अनुसूचित जाति आरक्षण के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए मतदान करेगा। मछुआ समाज जानता है कि उसके आरक्षण से जुड़ा मुद्दा केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हल कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मछुआ समाज अब किसी के बहकावे में नहीं आएगा और भटकने का काम नहीं करेगा।उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बहार है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को बिहार की जनता ने हमेशा पसंद किया है। बिहार में विकास, स्थिरता और सुशासन की दिशा में जनता का विश्वास इस बार भी एनडी के पक्ष में रहेगा।डॉ. निषाद ने कहा,हमारा उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। मछुआ समाज और अन्य वंचित वर्गों के उत्थान के लिए जो कार्य प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किए हैं, वह अभूतपूर्व हैं।

यूपी टिम्बर एसोसिएशन ने अलीगढ़ के सरवर आलम को प्रदेश सचिव नियुक्त किया

लखनऊ (संवाददाता)। आज उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी द्वारा सरवर आलम को प्रदेश सचिव के साथ साथ अलीगढ़ जिले का प्रभारी नियुक्त किया गया। श्री त्रिवेदी द्वारा प्रदेश महासचिव अख्तर खान की संस्तुति पर सरवर आलम को ये दायित्व सौंपने के साथ ही कहा कि श्री सरवर उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन की नीतियों पर चलते हुए उत्तर प्रदेश के सभी टिम्बर व्यापारियों के हितों के लिए संघर्ष करने का कार्य करेंगे। श्री त्रिवेदी ने बताया कि जल्द ही संगठन का राष्ट्रीय स्तर गठन किया जाएगा ताकि उत्तर प्रदेश के साथ साथ देश भर के टिम्बर व्यापारियों को एक साथ लाया जा सके और इस साल के अंत तक राष्ट्रीय अधिवेशन के माध्यम से टिम्बर व्यापारियों की एकता को और मजबूत किया जा जाएगा। नियुक्ति पत्र सौंपने वालो में प्रमुख से प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी,महासचिव अख्तर खान, अनिकेत सिंह, अधिवक्ता आस मोहम्मद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

खड़ी बस में टकराई 40-लोगों से भरी बस,ड्राइवर को कटर से केबिन काटकर निकाला

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के किसान पथ पर मौंदा गांव के पास रविवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। मुजफ्फरपुर से दिल्ली जा रही एक तेज रफ्तार यात्री बस आगे खड़ी बस से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे वाली बस का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसका चालक नफीस केबिन में फंस गया। बस में सवार करीब 40 यात्री सुरक्षित बच गए। यह घटना देर रात करीब 3.20 बजे की है। चौक फायर स्टेशन से सरोजनीनगर फायर स्टेशन को आउटर रिंग रोड पर बस दुर्घटना और चालक के फंसे होने की सूचना मिली। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर फायर यूनिट तत्काल मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने देखा कि बस (बीआर28पी3126) का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त था और चालक केबिन में फंसा हुआ था। स्थानीय लोगों के प्रयास विफल होने के बाद, दमकलकर्मियों ने स्प्रेडर मशीन का उपयोग कर केबिन को काटकर चालक नफीस (निवासी बागपत) को सुरक्षित बाहर निकाला। घायल नफीस को एम्बुलेंस से लोकबंधु अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। इस बीच, आगे खड़ी बस का चालक दुर्घटना के बाद अपनी गाड़ी लेकर फरार हो गया। बस में सवार यात्रियों को दूसरे वाहन से उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

वेतन बढ़वाने की मांग को लेकर जुटीं 20 हजार आशा वर्कर्स,ऐक्टू के बैनर तले प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। पूरे यूपी से करीब 20 हजार आशा वर्कर्स सोमवार को लखनऊ पहुंचीं। यहां इको गार्डन में वह वेतन बढ़वाने की मांग के साथ प्रदर्शन कर रही हैं। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन संबद्ध आल इंडिया सेंट्रल कांउसिल ऑफ ट्रेड यूनियन (ऐक्टू) के बैनर तले प्रदर्शन हो रहा है। आशा वर्कर्स का कहना है कि 5 सूत्री मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उनका कहना है कि सरकार उनके कामों को नजरअंदाज कर रही है। इस बार के चुनाव में इस सरकार को हटा देंगे। पूरा सिस्टम बदल देंगे। आशा कर्मियों को 45/46 वे भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों के अनुरूप राज्य स्वास्थ्यकर्मी का दर्जा देकर न्यूनतम वेतन, मातृत्व अवकाश, ईएसआई, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी और पेंशन गारंटी मिले। 10 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा और 50 लाख के जीवन बीमा गारंटी दी जाए। आशा कर्मियों के काम के घंटे तय किए जाएं। 2017 से अब तक के लंबित भुगतानों का आकलन कर उसका भुगतान सुनिश्चित किया जाए। प्रदेशभर में भुगतान के नाम पर होने वाली वार्षिक घूसखोरी रोकने के लिए एक निगरानी तंत्र बनाया जाए।

एम्पैथ लैब्स ने लखनऊ में नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया

लखनऊ (संवाददाता)। एम्पैथ लैब ने हाल ही में लखनऊ में 21 स्वास्थ्य जांच शिविरों (हेल्थ चौकअप कैम्पों) का आयोजन किया, जिनमें स्थानीय समुदाय की ओर से उत्साहजनक उपस्थिति देखी गई। कुल 375 व्यक्तियों ने हेल्थ पैकेज बुक किए, जिनमें एएम-फिट फ्रीडम, एएम-फिट फ्रीडम प्लस और एएम-फिट केयर प्लस शामिल थे। सभी प्रतिभागियों को करवाए गए टेस्टों की रिपोर्ट हार्ड कॉपी और डिजिटल दोनों स्वरूपों में त्वरित और सटीकता के साथ प्राप्त हुईं। इस मौके पर डॉ. अनम फातिमा सिद्दीकी, एमडी पैथोलॉजी, एम्पैथ लैब्स ने कहा कि ह्लप्रारंभिक पहचान और रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच बेहद जरूरी है। एम्पैथ लैब्स में, हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण हेल्थकेयर को सभी के लिए सुलभ बनाना है, चाहे वह कहीं भी हो। ये शिविर न केवल लोगों के डायग्नोस्टिक को उनके करीब लाते हैं, बल्कि उन्हें प्रिवेंटिव केयर के महत्व के बारे में भी शिक्षित करते हैं। ये शिविर स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने और सक्रिय स्वास्थ्य प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए एम्पैथ की चल रही पहल का एक हिस्सा हैं। शिविरों में ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और महत्वपूर्ण अंगों के कार्य जैसे आवश्यक स्वास्थ्य मापदंडों के लिए टेस्ट प्रदान किए गए, जिससे उन्हें अपने समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने और सुधारने के लिए समय पर और सूचित कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एम्पैथ लैब्स पूरे भारत में नियमित रूप से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन करती है, जो सभी के लिए सटीक, किफायती और आसानी से उपलब्ध होने वाली सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उनके समर्पण को दशार्ता है। एडवांस्ड डायग्नेस्टिक टेक्नोलॉजी और मजबूत सामुदायिक पहुंच के संयोजन के साथ, एम्पैथ लैब्स यह सुनिश्चित करती है कि छोटे शहरों और कस्बों के लोग भी उच्च-गुणवत्ता वाली मेडिकल केयर सर्विसेज का लाभ उठा सकें। इन शिविरों के माध्यम से, एम्पैथ लैब्स गुणवत्तापूर्ण डायग्नोस्टिक्स उपलब्ध कराने और सभी को संबंधित और जरूरी नॉलेज प्रदान करने के अपने मिशन को जारी रखती है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती, मंदिरों में होगा रामचरित मानस, वाल्मीकि रामायण और भजन-कीर्तन-जयवीर

लखनऊ (संवाददाता)। महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर कल 7 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में भक्ति और संस्कृति के संगम के रूप में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रदेशभर के देव मंदिरों और महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों पर रामचरित मानस पाठ, अखण्ड रामायण पाठ, वाल्मीकि रामायण पाठ, सुन्दरकाण्ड, भजन-कीर्तन, दीप प्रज्ज्वलन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भारतीय संस्कृति, परंपरा और अध्यात्म के संवर्धन के लिए निरंतर कार्यरत है। 7 अक्टूबर को सभी 75 जनपदों में एक साथ यह आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक जनपद को एक लाख की दर से कुल 75 लाख रुपए की धनराशि जिला पर्यटन एवं सांस्कृतिक परिषद के खाते में उपलब्ध कराई जाएगी। यह राशि कलाकारों के मानदेय और कार्यक्रम के आयोजन हेतु खर्च की जाएगी। महर्षि वाल्मीकि जी ने हमें यह सिखाया कि जीवन का सबसे बड़ा धर्म है, मानवता की सेवा और सत्य के मार्ग पर चलना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मंदिरों और महर्षि वाल्मीकि से संबंधित स्थलों पर रामचरित मानस, वाल्मीकि रामायण और भजन-कीर्तन जैसे कार्यक्रम आयोजित कर रही है। यह आयोजन हमारी आस्था को संस्कारों से जोड़ने और संस्कृति के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने का संकल्प है। यह पहल न केवल श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है, बल्कि संस्कृति से समाज सशक्तिकरण की दिशा में सरकार के संकल्प को भी दशार्ती है।महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली लालापुर, चित्रकूट में भी वृहद कार्यक्रम होगा। तुलसीदास आश्रम, राजापुर चित्रकूट, वाल्मीकि आश्रम बिठूर कानपुर, वाल्मीकि आश्रम श्रावस्ती, अयोध्या और प्रयागराज सहित पूरे प्रदेश के देव मंदिरों में रामायण पाठ और भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक जनपद में आयोजन के लिए नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं और कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति के साथ जनसहभागिता पर विशेष जोर दिया गया है।हर आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, ध्वनि, प्रकाश और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है। यह सुनिश्चित किया गया है कि श्रद्धालुओं और दर्शकों को सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण में कार्यक्रम का अनुभव मिले। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर पूरे प्रदेश में आयोजित रामचरित मानस, वाल्मीकि रामायण, सुन्दरकाण्ड और भजन-कीर्तन के कार्यक्रम न केवल श्रद्धा और भक्ति को प्रकट करेंगे, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह पहल समाज को संस्कारों और भक्ति के माध्यम से सशक्त बनाने के साथ-साथ कलाकारों को प्रोत्साहन देने का अवसर भी प्रदान करती है। यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का प्रेरक प्रयास है।

जनता नगरी में बुलडोजर देख बकरी-बच्चे को गोद में लेकर भागे, 1.38 एकड़ जमीन पर 150 झोपड़ियां उजाड़ी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) परिसर में अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चल रहे हैं। करीब 1.38 एकड़ जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा रहा है। बुलडोजर को देखकर वहां रह रहे लोग अपने बच्चे, बकरी और सामान को गोद में लेकर भागने लगे। लोगों का कहना है कि हमारे घर नहीं है। अब तो हम बर्बाद हो गए हैं। केजीएमयू परिसर में अतिक्रमण के खिलाफ 6 महीने के अंदर यह दूसरी कार्रवाई है। यहां अतिक्रमणकारियों को केजीएमयू प्रशासन ने नोटिस दिया था। लेकिन लोगों ने जमीन खाली नहीं की थी।जिस जमीन पर बुलडोजर चल रहे हैं, वह माध्यमिक शिक्षा विभाग की जमीन है। इसे करीब 3 महीने पहले कैबिनेट से प्रपोजल अप्रूव कराकर ज्ञळडन को हैंडओवर किया गया था। यहां करीब 150 झोपड़ियां हैं। फिलहाल मौके पर 2 बुलडोजर चल रहे हैं। सीएम योगी ने इस जमीन को केजीएमयू को देने का ऐलान किया था। अख्तर हुसैन ने कहा हम गरीब लोग कहां जाएंगे? हमको घर ही मिल जाए। हम 10 साल से यहीं रह रहे हैं। हमें हटाने से पहले बताया भी नहीं गया। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराने के बाद यहां पर केजीएमयू का पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट बनाया जाएगा। बता दें कि केके सिंह पैरामेडिकल के डीन भी हैं। उन्होंने बताया कि केजीएमयू की तरफ से 2 बुलडोजर और गार्ड समेत 100 से ज्यादा स्टाफ बुलडोजर एक्शन के दौरान मौजूद रहा। विजय कुमार ने बताया यहां 35 साल से रह रहा हूं। जूता-चप्पल का काम करता हूं। दिनभर 300-400 रुपए कमाकर घर चलाता हूं। बीमार हुआ तो कोमा में चला गया। उसमें 17 लाख रुपए बर्बाद चले गए। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि हमें कहीं घर दिया जाए। केजीएमयू के पास जगत नारायण रोड पर शिक्षा भवन के पीछे करीब 1.38 एकड़ की जमीन है। इस पर बसी बस्ती को जनता नगरी का नाम से जाना जाता था। यहां ज्यादातर मजदूरी करने वाले लोग रहते हैं। केजीएमयू के एडवाइजर ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया हम इन लोगों को 3 नोटिस दे चुके हैं। पहले नोटिस में भी इनसे कहा गया था कि अगर आपके पास कोई कागज है तो उसे दिखा दें। इन लोगों ने केजीएमयू के पास कोई भी कागज पेश नहीं किया। उसके बाद इन्हें वॉर्निंग का नोटिस दिया गया। बाद में अतिक्रमण पर कार्रवाई का नोटिस दिया गया था। केजीएमयू प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई के दौरान लोगों को अपनी बकरियां गोद में लेकर भागना पड़ा। सरहद ने बताया अचानक कार्रवाई की गई। हमारा बिजली का कनेक्शन है। इसके बावजूद कार्रवाई की गई। अपना घर गिर जाने के बाद एक व्यक्ति ने कहा कि हमें नोटिस मिला था लेकिन हम कहां जाते? आज कार्रवाई हुई तो कुछ सामान निकाल पाए और कुछ सामान वहीं दब गया। हमें वहां से हटा दिया गया।

अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने रोबोटिक सर्जरी से एंडोमेट्रियोसिस और फाइब्रॉइड से जूझ रही महिलाओं को दिया दर्द-मुक्त नया जीवन

लखनऊ (संवाददाता)। अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की डॉ. नेहा नेगी, ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव मेडिसिन, एडवांस्ड लैप्रोस्कोपिक एंड रोबोटिक सर्जन ने उन महिलाओं के लिए नई उम्मीद जगाई है, जो वर्षों से गंभीर एंडोमेट्रियोसिस, एडेनोमायोसिस और फाइब्रॉइड के कारण दर्द और निराशा में जी रही थीं। डॉ. नेगी ने हाल ही में रोबोटिक सर्जरी की सटीकता का उपयोग करते हुए दो अत्यंत जटिल मामलों का सफलतापूर्वक इलाज किया, जो इस बीमारी के कारण बेहद दर्दभरी स्थिति में निराशाजनक जीवन जी रही थीं। पहली मरीज लगभग 8द्द10 वर्षों से एंडोमेट्रियोसिस और संबंधित बीमारियों से पीड़ित थीं। इस दौरान उनकी लैप्रोस्कोपिक सिस्टेक्टॉमी, ओपन फाइब्रॉइड सर्जरी, सी-सेक्शन तक हुआ और यहाँ तक कि गर्भाशय भी निकाला जा चुका था। गर्भाशय के हटने के बाद भी वे अपने डेली रूटीन के काम भी बिना दर्द के नहीं कर पा रही थीं, यहां तक की उन्हें फ्रेश होने या यूरिन पास होने पर असहनीय दर्द होता था।उनकी पेल्विस का हिस्सा एंडोमेट्रियोसिस की वजह से पूरी तरह जम चुका था। यानी आंतें, मूत्रनलिका और अंडाशय आपस में बुरी तरह चिपक गए थे। कई अस्पतालों ने केस लेने से मना कर दिया, क्योंकि ऐसे में पारंपरिक सर्जरी लगभग असंभव थी। पारंपरिक सर्जरी की स्थिति में आंतों को बाहर निकालने की नौबत आ सकती थी और सर्जरी के दौरान पेशाब की नली या ब्लैडर को चोट पहुंचने का भी खतरा था।

मां की हत्या करने वाला फतेहपुर से गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में मां की हत्या के बाद से फरार बेटा सोमवार को फतेहपुर जिले से गिरफ्तार कर लिया गया है। वह हत्या के तीन दिन बाद रविवार को प्रयागराज में ट्रेस हुआ था। पुलिस का कहना है कि वह ऑनलाइन गेम में रुपए हारा था। मां से मदद न मिलने पर उनकी हत्या की। उसने गेमिंग के लिए गर्लफ्रेंड से भी मदद मांगी थी। घटना रायबरेली रोड स्थित कल्ली पश्चिम के बाबूखेड़ा यादव गांव की है। 3 अक्टूबर को डेयरी संचालक रमेश यादव की पत्नी रेनू की दिनदहाड़े घर में हत्या कर दी गई। उसके बाद से मझला बेटा निखिल कहीं मिल नहीं रहा था। उसने अपने मामा को फोन कर बताया था कि कुछ लोग उसका पीछा कर रहे हैं। हालांकि, थोड़ी ही देर में 2 सीसीटीवी की फुटेज में वह बाइक से बिना डर के जाता दिखा। दूसरे दिन उसकी बाइक चारबाग में पार्किंग में खड़ी मिली। फुटेज में वह त्रिवेणी एक्सप्रेस में चढ़ता दिखा। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। रविवार को उसकी लोकेशन प्रयागराज में ट्रेस होने के बाद पुलिस की एक टीम प्रयागराज पहुंच गई। वहां उसकी तलाश जारी है। वारदात के बाद से उसने फोन स्विच ऑफ कर लिया था। सोमवार को उसकी लोकेशन फतेहपुर में मिली तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 3 अक्टूबर को बाबूखेड़ा यादव गांव में दोपहर ढाई बजे के करीब एक महिला की हत्या कर दी गई। इसके बाद उसका मझला बेटा लापता हो गया। महिला दो दिन पहले मायके गई थी। उसे वहां से मझला बेटा बुलाकर लाया था। कुछ ही देर में घर में महिला की खून से सनी लाश मिली। महिला की पहचान रेनू यादव के रूप में हुई। महिला के छोटे बेटे नितिन ने बताया था कि भाई (निखिल) मां को ननिहाल से लेकर आए थे। मैं बगल में चाचा के घर चला गया था। लौटकर आया तो देखा कि मां को खून बह रहा है और वह बेहोश पड़ी हैं। इस दौरान न भाई घर में दिखा और न ही उनकी बाइक। महिला के भाई यानी लड़कों के मामा ने बताया था कि उसने फोन कर किसी का पीछा करने की बात बताई। हालांकि इन कहानियों के करीब 2 घंटे बाद सीसीटीवी फुटेज सामने आ गई। उसमें वही बेटा जो लापता और किडनैप किया हुआ बताया जा रहा था, बाइक से जाता दिखा। पुलिस ने मां की हत्या होने की शंका से भी उसकी तलाश तेज कर दी। अगल दिन उसकी बाइक चारबाग स्टेशन की पार्किंग में मिली और फुटेज में त्रिवेणी एक्सप्रेस में सवार होता दिखा। नखिल अपने गांव से सीधे चारबाग पहुंचा। वहां पार्किंग में बाइक लगाई। उसके बाद त्रिवेणी एक्सप्रेस में सवार हुआ। 3 अक्टूबर को त्रिवेणी एक्सप्रेस चारबाग 1 घंटे लेट यानी शाम 5 बजे पहुंची थी। उस वक्त तो पुलिस निखिल के घर भी नहीं पहुंची थी। बाद की तहकीकात में वह ट्रेन में सवार होते दिखा। उसी के आधार पर उसकी बाइक की तलाश की गई जो स्टेशन की पार्किंग में खड़ी मिली। रविवार को फोन ऑन करते ही उसकी लोकेशन प्रयागराज में दिखी। यह ट्रेसिंग होते ही लखनऊ पुलिस ने प्रयागराज में डेरा डाल दिया। उसके बाद सोमवार को फतेहपुर में लोकेशन मिली जहां से गिफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में पता चला कि निखिल ऑनलाइन गेम का शौकीन था और उसने खेल में काफी रुपए गंवाए थे। नुकसान की भरपाई के लिए उसने एप के जरिए कुछ रकम लोन भी ली थी। पुलिस का मानना है कि उधारी और तकाजे के दबाव में वह मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। निखिल की कॉल डिटेल खंगालने पर पुलिस उसकी एक गर्लफ्रेंड तक पहुंची है। पूछताछ में उसने बताया कि निखिल पिछले कुछ दिनों से उससे रुपए मांग रहा था। इसके अलावा उसने अपने कुछ अन्य दोस्तों से भी पैसों की मदद मांगी थी, लेकिन किसी ने उसे पैसे नहीं दिए थे। निखिल के अरुण नाम के दोस्त को पुलिस ने हिरासत में लिया। उससे पूछताछ की है। वारदात के बाद निखिल लगातार उसको कॉल करता रहा। उधर, पोस्टमॉर्टम के बाद शनिवार देर शाम रेनू का अंतिम संस्कार कड़ी पुलिस सुरक्षा में किया गया। शुक्रवार शाम रेनू का शव घर के अंदर खून से लथपथ मिला था। पास में खून से सना सिलेंडर पड़ा था, जिससे सिर पर वार किए जाने की आशंका जताई गई थी। घटनास्थल पर डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल, जेसीपी कानून व्यवस्था बबलू कुमार और फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर साक्ष्य जुटाए थे। निखिल में काफी होशियार था लेकिन ऐसा क्यों किया इसकी जानकारी नहीं है। उसके पकड़े जाने पर पूरे मामले से पर्दा उठने की उम्मीद है। पुलिस को आशंका है कि भागने से पहले निखिल ने घर से भी कुछ रुपए निकाल लिए थे।

सम्पादकीय

मासूम मौतें, बेफिक्र सरकार

भाजपा शासित मध्यप्रदेश और राजस्थान में पिछले एक महीने में कम से कम 15 बच्चों की मौत केवल इसलिए हुई है क्योंकि उन्हें दवा के नाम पर जहर पीने को मिला। यूं तो निर्दोषों की अकाल मौत पर दुख होता है, नाराजगी होती है, लेकिन मासूम बच्चे जब सरकारी लापरवाही का शिकार होकर दम तोड़ें तो दुख और नाराजगी के साथ बेबसी भी जाहिर होती है कि आखिर हम किस तरह के शासन में रह रहें हैं, जहां कुछ लोगों के लालच और फायदे में मासूमों की जान चली जाए और इस पर केवल अफसोस की रस्म अदायगी हो। दोनों जगह भाजपा की सरकार है तो अब इस्तीफे की उम्मीद करना बेकार है। याद करें, उत्तरप्रदेश में इसी तरह ऑक्सीजन की कमी से कई बच्चों की मौत हो गई थी और बजाय दोषियों को सजा देने के, इसमें भी हिंदू-मुसलमान का एंगल तलाश लिया गया। अब मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी कांग्रेस भाजपा सरकार के मंत्रियों से इस्तीफे तो मांग रही है, लेकिन इस मांग की कहीं सुनवाई नहीं होगी, यह तय है। कायदे से तो देश का प्रधानमंत्री होने के नाते नरेन्द्र मोदी को खुद इस पर संज्ञान लेना चाहिए। उन्हें पं.नेहरू की तरह बच्चों का पसंदीदा बनने का बड़ा ख्वाब है, इसीलिए परीक्षा पर चर्चा करते हैं, अपनी रैलियों में बच्चों से मिलते हैं, लेकिन नेहरूजी या शास्त्रीजी की तरह नैतिक हिम्मत दिखाकर शासन नहीं कर सकते। वैसे भी श्री मोदी का सारा ध्यान इस समय बिहार चुनाव पर लगा है, इसके बाद तमिलनाडु, केरल, प.बंगाल, असम पर फोकस चला जाएगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान तो भाजपा जीत ही चुकी है, इसलिए अब यहां कुछ भी होता रहे, कम से कम अगले चुनावों तक उसे फर्क नहीं पड़ेगा। मध्यप्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने के बाद बच्चों की मौत हुई है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 7 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच कुल 11 बच्चों की किडनी खराब होने से मौत हो चुकी है, और कम से कम पांच बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि ज्यादातर बच्चों की मौत किडनी को चोट पहुंचने से हुई है। बच्चों की रीनल बायोप्सी जांच के बाद यह पता चला था कि किसी जहरीले पदार्थ से किडनी को चोट पहुंची और उसने काम करना बंद कर दिया जिसके बाद बच्चों की मौत हुई। इन बच्चों ने कफ सिरप पी थी और उसमें ही जहरीला पदार्थ होने की बात सामने आई है। कोल्ड्रिफ नाम के इस कफ सिरप में अत्यधिक जहरीली रसायन डायथाइलीन ग्लाइकॉल की मौजूदगी पाई गई। इसके बाद शनिवार को मध्यप्रदेश सरकार ने इस सिरप की बिक्री, वितरण और निपटान पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। यह फैसला लैब टेस्ट की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया, जिसमें सिरप को श्अधिकारिक रूप से खराब और मिलावटीश घोषित किया गया। कोल्ड्रिफ को तमिलनाडु के एक संयंत्र में बनाया जा रहा था। जब तमिलनाडु सरकार में इसकी शिकायत की गई तो फौरन ही सिरप की जांच कराई थी, जिसमें पाया गया कंपनी गलत ढंग से सिरप को तैयार कर रही थी। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने 1 अक्टूबर 2025 को ही इस सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी, क्योंकि इसमें तमाम जानलेवा बैक्टीरिया छोटे बच्चों की मौत की वजह बने। लेकिन बताया जा रहा है कि तमिलनाडु सरकार की जांच रिपोर्ट जब सार्वजनिक हुई तो केंद्र सरकार की एजेंसियों ने तमिलनाडु सरकार की रिपोर्ट को झुठलाने की कोशिश की। बेशक यह कफ सिरप तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स में बन रहा था। लेकिन कंपनी पर कार्रवाई का अधिकार केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों के पास है। लिहाजा कार्रवाई की पहल वहीं से होनी चाहिए थी। तमिलनाडु के ड्रग कंट्रोलर ने कहा कि केंद्र सरकार को इस जांच रिपोर्ट से अवगत कराया गया लेकिन वहां से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। गनीमत यह है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार ने अब ऐसे विषाक्त कफ सिरप पर रोक लगाई है और बच्चों की मौत पर अफसोस भी जाहिर किया है। लेकिन इससे जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। तमिलनाडु सरकार ने जब दवा की जांच एक दिन में पूरी कर रिपोर्ट जारी कर दी, तो मध्यप्रदेश और राजस्थान में यही काम पहले क्यों न हो सका। क्यों बिना जांच के दवा सरकारी अस्पतालों तक पहुंची। बच्चों के मामले में तो खिलौनों, कपड़ों, जूतों से लेकर खाने-पीने के सामान तक अतिरिक्त सावधानी बरती जाती है, क्योंकि उन्हें सही या गलत, ठीक या खराब गुणवत्ता की परख नहीं होती है। मासूम बच्चे ये भी नहीं बता पाते कि उन्हें किस चीज के सेवन से तबियत ठीक नहीं लग रही है। इस बारे में माता-पिता अनुमान लगाते हैं और डॉक्टरों के भरोसे ही रहते हैं। डॉक्टरों ने जो दवा लिखकर दे दी, उस पर आंख मूंदकर यकीन करते हुए अपने बच्चों को पिला देते हैं। लेकिन मध्यप्रदेश और राजस्थान में इस यकीन को ऐसा चकनाचूर किया गया कि मां-बाप को जीवन भर का दुख दे गया। क्या फर्क पड़ता है कि अब कितनी दवाओं को प्रतिबंधित किया गया है, कितने डॉक्टरों का निलंबन हुआ है। मासूमों की मौत पर समाज में जो बड़े पैमाने पर उद्वेलन दिखना चाहिए था, वह नदारद है।

जनता को किया वोटिंग से किनारा, विपक्ष ने नकारा, इस मुल्क के चुनाव को क्यों बताया जा रहा मजाक?

एक ऐसा चुनाव जिसमें शायद किसी बदलाव की उम्मीद नहीं। सीरिया में संसदीय चुनाव हुए। देश के लंबे समय से निरंकुश नेता बशर अल-असद के विद्रोही आंदोलन के बाद सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद ये पहला चुनाव है। असद वंश के 50 साल के शासन के दौरान, सीरिया में नियमित चुनाव होते थे जिनमें सभी नागरिक मतदान कर सकते थे। हालाँकि, असद के नेतृत्व वाली बाथ पार्टी का संसद पर दबदबा था और

मतदान को व्यापक रूप से दिखावटी चुनाव माना जाता था। सीरिया के लोग चुनाव के बाद भी पूर्ण लोकतंत्र से चूक जाएँगे। सीरिया में हुए इस पहले चुनाव पर विवाद भी हो रहा है। वह इसलिए, क्योंकि यह लोकतांत्रिक तरीके से नहीं हो रहे हैं। इसमें जनता ने वोट नहीं डाला है। आलोचकों का कहना है कि इससे सत्ता के सीरिया के नए शासकों के हाथों में ही केंद्रित रहने की संभावना है। पीपुल्स असेंबली की अधिकांश सीटें जिलों के निर्वाचक मंडलों द्वारा चुनी जाएँगी, जबकि एक-तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा नियुक्त होंगे। नई संसद भविष्य के चुनावों की तैयारी करते हुए 30 महीने का कार्यकाल पूरा करेगी। चुनाव प्रक्रिया पर क्यों उठ रहे सवाल? सीरिया की नई संसद में 210 सदस्य हैं। इनमें से 140 सीटों पर 7,000 इलेक्टोरल कॉलेज सदस्य मतदान कर रहे हैं। ये सदस्य सरकार द्वारा नियुक्त किए गए हैं। शेष 70 सदस्य अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा सीधे नियुक्त करेंगे। राष्ट्रपति शरा द्वारा नियुक्त 70 सीटों के जरिए महिलाओं, अल्पसंख्यकों और सहयोगी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की बात कही गई है, पर आलोचकों के मुताबिक यही सीटें सरकार की स्थायी बहुमत सुनिश्चित करेंगी। मतदान 5 अक्टूबर को हुआ। अंतिम परिणाम 7 अक्टूबर को अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जारी करेंगे। 70 सीटें शरा की नियुक्ति से भरी जाने के कारण संसद में शरा समर्थकों की निर्णायक जीत तय मानी जा रही है। लोगों ने क्यों नहीं डाला वोट? उम्मीद थी कि जब चुनाव होंगे तो जनता भी वोट डालेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंतरिम सरकार का कहना है कि लगभग 14 साल के गृहयुद्ध और व्यक्तिगत दस्तावेजों के नुकसान के कारण लाखों सीरियाई लोगों के विस्थापन के कारण, इस समय एक सटीक मतदाता सूची बनाना और लोकप्रिय वोट का आयोजन करना असंभव है। इसलिए अभी आम लोगों को वोटिंग का अधिकार नहीं मिला है। सीधे जनमत कराने की बजाय यह सीमित प्रक्रिया अपनाई गई है। आलोचकों ने लोकप्रिय वोट के अभाव को अलोकतांत्रिक बताया है, हालाँकि कुछ विश्लेषक सरकार के तर्क को सही मानते हैं। अरब रिफॉर्म इनिशिएटिव और चैथम हाउस के वरिष्ठ शोध अध्येता ने इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचकों के चुनाव के तरीके में स्पष्टता का अभाव है। उन्होंने कहा खासकर जब उपसमितियों और निर्वाचक मंडलों के चुनाव की बात आती है, तो कोई निगरानी नहीं होती, और यह प्रक्रिया संभावित रूप से हेरफेर की चपेट में है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव अधिकारियों ने बिना किसी स्पष्टीकरण के प्रकाशित सूचियों से नाम हटा दिए, जिससे आलोचनाएँ बढ़ गईं। समावेशिता और प्रतिनिधित्व संबंधी चिंताएँ संसद में महिलाओं या धार्मिक एवं जातीय अल्पसंख्यकों के लिए कोई निश्चित कोटा नहीं है। निर्वाचक मंडल के सदस्यों में महिलाओं की संख्या 20% होनी चाहिए, लेकिन इससे उम्मीदवारों या निर्वाचित सदस्यों के बीच समान प्रतिशत की गारंटी नहीं मिलती। सरकारी समाचार एजेंसी रअठअ के अनुसार, राष्ट्रीय चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल-अहमद के हवाले से, अंतिम सूची में शामिल 1,578 उम्मीदवारों में से 14% महिलाएँ हैं। कुछ ज़िलों में, 30-40% महिलाएँ उम्मीदवार हैं, जबकि अन्य में एक भी नहीं है। स्वीडा और कुर्द-नियंत्रित क्षेत्रों को बाहर रखे जाने से अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा में अलावी और ड्रूज समुदायों के सैकड़ों नागरिक मारे गए हैं, जिनमें से कई की मौत सरकार से जुड़े लड़ाकों के हाथों हुई है। असद की पार्टी और विद्रोही दोनों ने चुनाव को नकारा हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस): उत्तर-पश्चिमी सीरिया में सक्रिय यह संगठन चुनावों को 'दमिश्क की सत्ता का नाटक' बता रहा है। उसका कहना है कि अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की सरकार देश के वास्तविक प्रतिनिधित्व से कोसों दूर है, क्योंकि उसने जनता को वोट का अधिकार ही नहीं दिया। वहीं असद समर्थक गुट बशर अल-असद की पार्टी ने इसे 'कठपुतली चुनाव' कहा है। उनका आरोप है कि शरा सिर्फ पश्चिमी देशों की मदद से सत्ता में आया और अब वैधता साबित करने के लिए दिखावटी प्रक्रिया चला रहा है। रूस-चीन और ईरान ने दिया समर्थन रूस और चीनः दोनों देशों ने इन चुनावों को सीरिया की स्थिरता की दिशा में आवश्यक कदम बताया है। उनका कहना है कि युद्धग्रस्त देश में तुरंत जनमत संग्रह असंभव है, इसलिए अंतरिम संरचना ही व्यावहारिक विकल्प है। ईरान ने शरा सरकार को सीरिया के पुनर्निर्माण का केंद्र मानते हुए कहा कि चुनाव देश में राजनीतिक निरंतरता की गारंटी हैं और विपक्ष को समय के साथ शामिल किया जाएगा। अब आगे क्या होगा? अभी भी पीपुल्स असेंबली की 32 सीटें खाली ही रहेंगी। वह इसलिए क्योंकि सीरिया के सुवैदा और उत्तर-पूर्वी प्रांत में वोटिंग नहीं हुई। इन प्रांतों में कुर्दिश लड़ाकों का दबदबा है। इसलिए अभी यहां वोटिंग नहीं करवाई गई है। कुल मिलाकर, 210 सीटों में से 178 सदस्यों के साथ सीरिया की सरकार चलेगी। सोमवार या मंगलवार तक चुनाव नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। नई संसद के लिए जिन सदस्यों को चुना जाएगा, उनका कार्यकाल 30 महीने का होगा। ऐसा इसलिए ताकि चुनाव तैयारियों के लिए समय मिल सके। बताया जा रहा है कि इसके बाद आम चुनाव कराए जा सकते हैं।

पार्टी का नाम 'आम आदमी पार्टी' लेकिन काम अमीरों को राज्यसभा सांसद बनाना

वर्ष 2018 में इन्ही अरविंद केजरीवाल ने आशुतोष और कुमार विश्वास जैसे पार्टी के दिग्गज नेताओं को नजरअंदाज करके एनडी गुप्ता और सुशील गुप्ता को राज्यसभा भेजा था। तब से लेकर आज तक केजरीवाल के रवैए, जिद और मनमाने फैसले लेने की आदत में कोई बदलाव नहीं आया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब से राज्यसभा के लिए खाली हुई सीट से मशहूर उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को उम्मीदवार घोषित कर दिया है। इसी के साथ एक बार फिर से वही पुराना सवाल खड़ा हो गया है कि पार्टी का नाम 'आम आदमी पार्टी' लेकिन काम अमीरों को राज्यसभा सांसद बनाना है। आखिर अरविंद केजरीवाल को हर बार राज्यसभा भेजने के लिए अमीर उद्योगपति ही क्यों पसंद आते हैं ? क्या आम आदमी के नाम पर राजनीति करने वाले केजरीवाल के पास कोई ऐसा आम आदमी नहीं है जिन्हें वो राज्यसभा सांसद बना सके। वर्ष 2018 में इन्ही अरविंद केजरीवाल ने आशुतोष और कुमार विश्वास जैसे पार्टी के दिग्गज नेताओं को नजरअंदाज करके एनडी गुप्ता और सुशील गुप्ता को राज्यसभा भेजा था। तब से लेकर आज तक केजरीवाल के रवैए, जिद और मनमाने फैसले लेने की आदत में कोई बदलाव नहीं आया है। इस बार भी आम आदमी पार्टी ने पंजाब के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक और देश के प्रमुख उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार

घोषित किया है। पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी का बहुमत है इसलिए राजिंदर गुप्ता को राज्यसभा सांसद बनने से कोई रोक नहीं सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो, राजिंदर गुप्ता पंजाब के सबसे अमीर लोगों में से एक हैं। उनकी कुल संपत्ति 1.2 बिलियन डॉलर यानी लगभग 10 हजार करोड़ रुपए है। यह सीट जिन संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के कारण खाली हुई है, वह भी एक उद्योगपति ही हैं। संजीव अरोड़ा का राज्यसभा सांसद का कार्यकाल अप्रैल, 2028 तक था। लेकिन कार्यकाल खत्म होने से पहले ही उन्हें पंजाब की लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट से चुनाव लड़वा दिया गया। विधायक बनने के बाद केजरीवाल के कहने पर भगवंत मान ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री बना दिया। आज तक यह सवाल एक अबूझ पहेली बना हुआ है कि, आखिर संजीव अरोड़ा में ऐसी क्या खासियत थी कि अरविंद केजरीवाल ने पहले उन्हें राज्यसभा सांसद बनवाया और फिर बीच में ही इस्तीफा दिलवा कर भगवंत मान की सरकार में मंत्री बनवा दिया। यह भी एक अबूझ पहेली ही बनी रहेगी कि उद्योगपति संजीव अरोड़ा के इस्तीफे से खाली हुई राज्यसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को ही क्यों चुना गया? अब जरा इस तथ्य पर भी गौर कीजिए कि, पंजाब में राज्यसभा की 7 सीटें हैं, जिनमें से एक पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए राजिंदर गुप्ता को उम्मीदवार बनाया गया है। जबकि छह अन्य आप राज्यसभा सांसदों की बात करें तो इसमें राघव चड्ढा और संदीप कुमार पाठक के अलावा आप के अन्य सांसदों में एक निजी विश्विद्यालय के मालिक अशोक कुमार मित्तल, उद्योगपति विक्रमजीत सिंह और मशहूर क्रिकेटर हरभजन सिंह जैसे व्यक्ति शामिल हैं। ऐसे लोगों को राज्यसभा भेजने से पहले केजरीवाल को कम से कम अपनी पार्टी के कैडर को यह तो बताना ही चाहिए कि आखिर अशोक कुमार मित्तल, विक्रमजीत सिंह , हरभजन सिंह और अब राजिंदर गुप्ता जैसे लोगों ने आम आदमी और आम आदमी पार्टी के लिए क्या किया है?

देश की जनसंख्या प्रगति का पैमाना या अवरोध की अवधारणा

संजीव ठाकुर

भारत की जनसंख्या अब मात्र एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चुनौती और अवसर दोनों का प्रतीक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 142.86 करोड़ (1.4286 अरब) की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का गौरव प्राप्त किया। लेकिन यह उपलब्धि जितनी गौरवशाली है, उतनी ही चिंताजनक भी। जनसंख्या वृद्धि दर अभी लगभग 0.81ः है और कुल उर्वरता दर 2.0 पर स्थिर हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर (2.1) के करीब है। भारत की लगभग 68ः आबादी कार्यशील आयु वर्ग (15द्द64 वर्ष) में है, जो विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति का निर्माण करती है। यह स्थिति भारत के लिए ॾजनसंख्या लाभांशॿ का अवसर प्रस्तुत करती है, बशर्ते कि इसे शिक्षा, कौशल और रोजगार की दिशा दी जाए। यदि यह जनसंख्या शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बनी तो यही भारत को आर्थिक महाशक्ति बना सकती है, परंतु यदि यही जनसंख्या बेरोजगारी, अशिक्षा और संसाधनों के अभाव में उलझी रही, तो यही राष्ट्र के लिए बोझ भी बन सकती है। नंतभारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि प्रत्येक वर्ष लाखों युवक श्रमबाजार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं बन पाते। पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वेक्षण (च्स्थ्) 2023-24 के अनुसार 15 वर्ष से ऊपर की आबादी में बेरोजगारी दर 3.2ः रही, जबकि

युवाओं (15द्द29 वर्ष) में यह बढ़कर 10.2ः तक जा पहुँची। कार्यशील आयु वर्ग में लगभग 64.33 करोड़ लोग हैं, परंतु संगठित क्षेत्र में उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा। उदाहरण के तौर पर किसी ग्रामीण क्षेत्र के दस हजार युवा जब शहरों की ओर रोजगार की तलाश में जाते हैं, तो उनमें से मुश्किल से दो हजार को ही अस्थायी या कम वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। शेष बेरोजगार या असंगठित क्षेत्र में अल्प आय पर कार्यरत रह जाते हैं। परिणामस्वरूप गरीबी, कुपोषण और सामाजिक तनाव की स्थिति बढ़ती है, जो राष्ट्र की विकास गति को धीमा करती है। भारत की विशाल जनसंख्या के कारण जल, भूमि, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर असंतुलित दबाव बढ़ता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ इनका अति-दोहन जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है। महानगरों में रोजगार की तलाश में पलायन से झुग्गी-झोपड़ियाँ फैल रही हैं, यातायात और प्रदूषण का संकट बढ़ रहा है तथा जीवन स्तर गिरता जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है कृ प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीनहाउस गैसों का अत्यधिक उत्सर्जन अब चिंता का वैश्विक विषय बन चुका है। जब समाज का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रहता है, तो स्वाभाविक रूप से असंतोष, असुरक्षा और अपराध में वृद्धि होती है, जिससे सामाजिक समरसता कमजोर पड़ती है। चीन ने इस समस्या के समाधान के लिए ॾवन चाइल्ड पॉलिसीॿ जैसी कठोर नीति अपनाई थी, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप परिवार नियोजन, जागरूकता और स्वैच्छिक नियंत्रण की नीति को अपनाया। किंतु ग्रामीण और अशिक्षित क्षेत्रों में अब भी पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। जनसंख्या नियंत्रण में शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा, सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकती है। एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को सही दिशा देती है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाएँ युवाओं को आत्मनिर्भर और उत्पादक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ गाँव-गाँव तक पहुँचे तो रोजगार सृजन की प्रक्रिया तीव्र हो सकती है। भारत में विकास को संतुलित बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और आधारभूत संरचना को मजबूत करना आवश्यक है, जिससे पलायन पर नियंत्रण हो सके और शहरी क्षेत्रों पर बढ़ता बोझ घटे। स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार कर मातृ-शिशु मृत्यु दर घटानी होगी। वर्ष 2024 में भारत की मातृ मृत्यु दर अब भी 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म है और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हजार के आसपास है।

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खचीर्ली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दशार्ते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

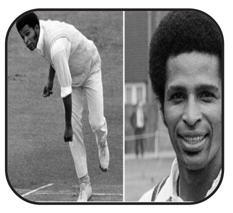

वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का निधन, 1975 विश्व कप की विजेता टीम का थे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जूलियन ने वेस्टइंडीज के लिए 24 टेस्ट मैच और 12 वनडे मैच खेले। उन्होंने लाल गेंद के प्रारूप में 866 रन बनाए और 50 विकेट झटके। वहीं, वनडे क्रिकेट में उन्होंने 86 रन बनाने के अलावा 18 विकेट चटकाए। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। जूलियन 1957 वनडे विश्व कप की विजेता टीम का हिस्सा थे जिसने इस वैश्विक टूनार्मेंट का पहला खिताब जीता था। जूलियन ने उस विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था और ग्रुप चरण के मैच में श्रीलंका के खिलाफ 20 रन देकर चार विकेट लिए थे, जबकि सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 रन देकर चार विकेट झटके थे। क्लाइव लॉयड ने जूलियन को किया याद जूलियन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में 37 गेंदों पर 26 रनों की पारी खेली थी और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उस टूनार्मेंट में जूलियन टीम के बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर उभरे थे जिन्हें गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन किया था।

फोर्थ स्टेज कैंसर से जूझ रही नफीसा अली ने शेयर की बाल्ड लुक की तस्वीरें

फैंस ने की दुआएं

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मिस इंडिया नफीसा अली इन दिनों कैंसर की चौथी स्टेज से जूझ रही हैं। इस घातक बीमारी से जंग के बीच वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी जिंदगी से जुड़ी हर अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में नफीसा ने अपने इलाज के दौरान की एक नई तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनका बाल्ड लुक देखने को मिल रहा है। नफीसा अली ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें वो बिना बालों के नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, सकारात्मक शक्ति। मेरे सबसे अच्छे दोस्त गैबी के साथ। इस तस्वीर के सामने आते ही लोगों के इस पर खूब कमेंट्स आने लग गए। साथ ही फैंस दुआएं करने लगे कि वो जल्द स्वस्थ हो जाएं और कैंसर से जंग जीत कर पहले जैसी नॉर्मल हो जाएं। नफीसा अली ने पिछले महीने सितंबर में बताया था कि उन्हें नवंबर 2018 में पेरिटोनियल कैंसर (पेट की अंदरूनी झिल्ली में होने वाला दुर्लभ कैंसर) का पता चला था। इलाज के बाद 2019 में डॉक्टरों ने उन्हें कैंसर से मुक्त कर दिया था। लेकिन यह बीमारी फिर से लौट आई। अब वह चौथे स्टेज कैंसर से लड़ रही हैं।

हमारे परिवार की परी..भाभी नीलम के बर्थडे पर प्रियंका चोपड़ा ने किया खास पोस्ट, तस्वीरों में झलकी ननद-भाभी की खूबसूरत बॉन्डिंग

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने अपनी भाभी नीलम उपाध्याय के बर्थडे को बेहद खास अंदाज में सेलिब्रेट किया। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर नीलम के साथ बिताए खूबसूरत पलों की तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए, जो सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गए। फैंस भी ननद-भाभी की इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें नीलम, सिद्धार्थ चोपड़ा और परिवार की कई यादगार झलकियां नजर आईं। इस वीडियो में नीलम और सिद्धार्थ की शादी की कुछ अनदेखी तस्वीरें भी थीं। वीडियो की शुरूआत प्रियंका और उनके भाई सिद्धार्थ की रिसेप्शन पार्टी की एक तस्वीर से हुई, जिसके बाद एक और फोटो में निक जोनास भी दिखाई दिए। इसके अलावा, प्रियंका ने नीलम और अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास की एक कैंडिड तस्वीर भी शेयर की, जिसमें दोनों बेहद प्यारी लग रही थीं। तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा- हमारे परिवार की परी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हमेशा खुश रहो और यूं ही मुस्कुराती रहो। इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए नीलम ने लिखा-सबसे अच्छी ननद, लव यू !ह्व प्रियंका ने अपनी भाभी को एंजेल ऑफ द फैमिली का प्यारा टैग भी दिया। सिद्धार्थ चोपड़ा और नीलम उपाध्याय की शादी इसी साल की शुरूआत में पंजाबी रीति-रिवाजों से हुई थी। इस मौके पर प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनास और बेटी मालती के साथ भारत आई थीं। शादी में बैंड-बाजा-बारात के साथ पूरा चोपड़ा परिवार जमकर नाचा था।वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका हाल ही में हेड्स ऑफ स्टेट में इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ नजर आई थीं।

पत्नी के आरोपों के बाद बुरा फंसे पवन सिंह, फैंस बोले- शर्म आ रही है तुम पर

पत्नी ज्योति सिंह द्वारा व्यभिचार और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाने के बाद पवन सिंह को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। भोजपुरी सिनेमा के अभिनेता-राजनेता पवन सिंह को अपनी पत्नी ज्योति सिंह द्वारा उन पर व्यभिचार और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में, ज्योति सिंह इंस्टाग्राम पर लाइव आईं और खूब रोईं। जब वह लखनऊ स्थित पवन सिंह के आवास पर पहुंचीं, तो पुलिस उन्हें थाने ले जाने के लिए पहले से ही मौजूद थी। पुलिस ने कहा कि पवन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है, इसलिए ज्योति को थाने आना चाहिए। हालांकि ज्योति सिंह थाने नहीं गईं और इंस्टाग्राम पर लाइव हो गईं। उन्होंने इंस्टाग्राम लाइव के दौरान कहा- ये पवन सिंह समाज की सेवा करेगा जो अपनी पत्नी को बाहर निकालने के लिए पुलिस बुला रहा है। जब चुनाव था, तो उसने मुझे बुलाया और मेरा नाम इस्तेमाल किया। फिर वो किसी और लड़की के साथ होटल गया। सब पूछते थे कि मैं अपने घर क्यों आई, ये नहीं कि पवन जी हमारे सामने एक लड़की के साथ होटल क्यों गए। ज्योति ने आगे कहा-पत्नी होने के नाते मैं अपने पति को किसी और लड़की के साथ नहीं देख सकती थी, इसलिए मैं चली गई। जब तुम अपनी बहन और बेटी के साथ होगे, तब तुम्हें पता चलेगा। उन्हें अपने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में खूब सपोर्ट मिला। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा-पवन, तुम्हें शर्म आनी चाहिए कि तुम अपनी पत्नी के साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हो, ये बहुत गलत है भाई। एक अन्य यूजर ने लिखा- मुझे लगा था कि आज सब ठीक हो जाएगा और दोनों साथ होंगे, लेकिन ऐसा नजारा देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। एक तीसरे यूजर ने लिखा, हमने कभी नहीं सोचा था कि पवन सिंह इतना गिर जाएंगे। ज्योति सिंह के साथ बहुत गलत हुआ। पवन सिंह के हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट पर भी नेटिजन्स ने उनके व्यवहार की आलोचना की। एक यूजर ने लिखा- पवन, आप अपनी लड़की के साथ ऐसा कर रहे हैं, हमें शर्म आती है कि हम आपके प्रशंसक हैं।

तेरे इश्क में का टीजर पसंद आया ? तो देखें ये 5 अधूरी मोहब्बत वाली फिल्में

तेरे इश्क में के टीजर ने एक बार फिर उन फिल्मों की याद ताजा कर दी है, जो दिल को एक साथ तोड़ती भी हैं और जोड़ती भी हैं। अगर आपको ऐसी कहानियां पसंद हैं, जिनमें प्यार उतना ही खूबसूरत है जितना दर्दनाक, तो यहां हैं 5 रोमांटिक फिल्में जो अधूरे इश्क की कहानी बयां करती हैं...

1. देवदास (2002)

संजय लीला भंसाली की देवदास अधूरे प्यार और आत्मविनाश की सबसे भावुक कहानी है। देवदास अपने बचपन के प्यार पारो से दूर हो जाता है, समाज और अहंकार की वजह से। पारो किसी और से शादी कर लेती है और देवदास शराब में डूब जाता है। चंद्रमुखी उसका दर्द समझती है, लेकिन उसका दिल हमेशा पारो में ही अटका रहता है। पारो के द्वार पर देव की आखिरी सांस आज भी सिनेमा की सबसे करुण यादों में से एक है।

2. रॉकस्टार (2011)

इम्तियाज अली की रॉकस्टार एक जलती हुई प्रेमकहानी है जहां कला और दर्द एक-दूसरे से गले मिलते हैं। जनार्दन (रणबीर कपूर) हीर (नरगिस फाखरी) से ऐसा प्यार करता है जो उसकी आत्मा को झकझोर देता है। उनका रिश्ता अधूरा रह जाता है, लेकिन उसी अधूरेपन से जन्म लेती है उसकी कला। ए. आर. रहमान का संगीत और रणबीर की अदाकारी इस कहानी को अमर बना देते हैं।

3. कल हो ना हो (2003)

करण जौहर की कल हो ना हो प्रेम, त्याग और विदाई की भावुक कहानी है। अमन (शाहरुख खान) अपनी बीमारी छिपाकर नैना (प्रीति जिंटा) को उसके दोस्त रोहित (सैफ अली खान) से मिलाने की कोशिश करता है ताकि वह खुश रह सके। अमन का मौन बलिदान और उसका आखिरी अलविदा दर्शकों की आंखें नम कर देता है।

4. रांझणा (2013)

आनंद एल. राय की रांझणा प्यार की वह कहानी है जो जितनी खूबसूरत है उतनी ही पीड़ादायक। कुंदन (धनुष) बचपन से जोया (सोनम कपूर) से प्यार करता है, पर जोया किसी और से मोहब्बत करती है। उसका प्यार पागलपन में बदल जाता है और अंत में वह अपनी ही मोहब्बत में मिट जाता है। धनुष का दर्द भरा अभिनय इस अधूरे प्यार को अमर बना देता है।

5. आशिकी 2 (2013)

मोहित सूरी की आशिकी 2 एक ऐसी प्रेमकहानी है जो शोहरत, नशे और बलिदान के बीच फंसी है। राहुल (आदित्य रॉय कपूर) आरती (श्रद्धा कपूर) को स्टार बनाता है, लेकिन खुद अपनी कमजोरी से हार जाता है। अपने प्यार को आजाद करने के लिए वह खुद को खत्म कर देता है। इसका हर गीत, हर सीन दिल में उतर जाता है।

आलिया भट्ट से निकिता दत्ता तक, बॉलीवुड की योग देवियां जो फिटनेस में भरती हैं प्राण

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, जहाँ हर जगह परफेक्शन की मांग होती है और हर किरदार दृढ़ता की परीक्षा लेता है, कुछ अभिनेत्रियाँ ऐसी हैं जिन्होंने अपनी जगह जिम या रेड कार्पेट पर नहीं, बल्कि योगा मैट पर बनाई है। इन सितारों के लिए योग सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि एक दर्शन है, जो उन्हें शरीर और आत्मा, दोनों रूपों में मजबूत और संतुलित रखता है।

शिल्पा शेट्टी

पिछले दो दशकों से शिल्पा शेट्टी सौम्यता, वेलनेस और आंतरिक शांति की प्रतीक रही हैं। अपनी किताबों, डीवीडीज और डिजिटल फिटनेस प्लेटफॉर्म्स के जरिए उन्होंने योग को एक जीवनशैली का रूप दे दिया है। उनकी सुबहें सूर्य नमस्कार से शुरू होती हैं और दिन का अंत

कृतज्ञता के साथ। यही दिनचर्या उन्हें शोबिज की भागदौड़ में भी शांत, संतुलित और दमकता हुआ बनाए रखती है।

करीना कपूर खान

करीना कपूर खान की फिटनेस यात्रा उनकी फिल्मों जितनी ही प्रसिद्ध है। कभी साइज जीरो ट्रेंड की पहचान रही करीना, अब माइंडफुल फिटनेस की मिसाल बन चुकी हैं। उनके लिए योग बाहरी रूप से सुंदर दिखने का नहीं, बल्कि मन, शरीर और सांस के संतुलन का माध्यम है।

निकिता दत्ता

नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों में निकिता दत्ता अपनी शांत लेकिन दृढ़ योग साधना के लिए अलग पहचान रखती हैं। उनके सोशल मीडिया पर अक्सर शांत आसनों और मानसिक संतुलन पर उनके विचार दिखाई देते हैं। निकिता के लिए योग कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि आत्म-संवाद का एक पवित्र स्थान है, जहाँ वे बाहरी शोर से दूर होकर अपने भीतर की शांति से जुड़ती हैं। उनकी नियमितता और सहज ऊर्जा यह दर्शाती है कि कैसे योग का प्रभाव चमक-दमक से परे, जीवन को भीतर से निखारता है।

आलिया भट्ट

व्यस्त शूटिंग शेड्यूल और थका देने वाली दिनचर्या के बीच, आलिया भट्ट के लिए योग एक एंकर की तरह है। उन्हें एरियल योगा बेहद पसंद है, और वे अक्सर अपनी योग साधना की झलक सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। आलिया की फिटनेस यात्रा उनकी जीवन दृष्टि को दर्शाती है, जिसमें लचीलापन, अनुशासन और संतुलन का समावेश है।

मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा न केवल एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं, बल्कि प्रमाणित योग प्रशिक्षक भी हैं।

मंत्र भारत लखनऊ-मंगलवार,07 अक्टूबर 2025

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 583 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 582.95 अंक या 0.72 प्रतिशत उछलकर 81,790.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 639.25 अंक या 0.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,846.42 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 183.40 अंक या 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,077.65 पर आ गया। निवेशकों की वैल्यू लिवाली के चलते सोमवार को निफ्टी तीन सत्रों में 466 अंक या 1.89 प्रतिशत बढ़कर 25,000 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, इटरनल, इंफोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फिनसर्व प्रमुख लाभ में रहे। वहीं टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और टाइटन पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ₹दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले वित्तीय सेवाओं और आईटी क्षेत्रों में बढ़त के चलते घरेलू शेयर बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ सत्र का अंत किया।

ट्रंप ने पुतिन के 'न्यू स्टार्ट संधि' के प्रस्ताव पर जताई खुशी

बोले- सुनकर अच्छा लगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रूस की सरकार ने कहा है कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि रूस की सुरक्षा चिंताओं का समाधान होना चाहिए। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव ने भी बीती 27 सितंबर को अपने एक बयान में भी यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की बात कही। यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिका के रिश्तों में खटास आई हुई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के न्यू स्टार्ट संधि के प्रस्ताव पर खुशी जताई और कहा कि न्यू स्टार्ट संधि एक अच्छी पहल है। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप से जब न्यू स्टार्ट संधि को लेकर पुतिन के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि 'सुनकर अच्छा लग रहा है। ये अच्छा विचार है।' दरअसल बीती 22 सितंबर को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने रूसी सिक्योरिटी काउंसिल की बैठक में कहा कि रूस न्यू स्टार्ट संधि के तहत तय प्रतिबंधों का अगले एक साल के लिए और पालन जारी रखने के लिए तैयार है। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि यह तभी संभव होगा, जब अमेरिका भी इसका पालन जारी रखे। दोनों देशों के बीच परमाणु हथियारों को लेकर हुई यह संधि अगले साल फरवरी में समाप्त होने वाली है। रूस की सरकार ने कहा है कि वे यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि रूस की सुरक्षा चिंताओं का समाधान होना चाहिए। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव ने भी बीती 27 सितंबर को अपने एक बयान में भी यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर चर्चा की बात कही। 'यूक्रेन संघर्ष रोकने के लिए बातचीत के लिए तैयार' लावारोव ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जैसा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन लगातार जोर दे रहे हैं कि रूस संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत के लिए तैयार है। हालांकि रूस की सुरक्षा अहम है और उसकी चिंताओं को दूर किया जाना चाहिए। साथ ही रूस और रूसी भाषा बोलने वाले लोगों को अधिकारों को भी सुरक्षित किया जाना चाहिए। इसके आधार पर हम यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं।

क्या है न्यू स्टार्ट संधि न्यू स्टार्ट संधि रूस और अमेरिका के बीच परमाणु हथियार नियंत्रण के उद्देश्य से की गई संधि है। यह संधि, अमेरिका और रूस द्वारा तैनात किए जाने वाले सामरिक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करती है। साल 2010 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और तत्कालीन रूसी समकक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे। यह संधि फरवरी 2011 में लागू हुई और साल 2021 में इसे पांच साल के लिए बढ़ाया गया। इस समझौते के तहत अमेरिका और रूस निम्न बातों को मानने के लिए प्रतिबद्ध हैं- 1,550 से ज्यादा सामरिक परमाणु हथियार और अधिकतम 700 लंबी दूरी की मिसाइलें और बमवर्षक तैनात नहीं किए जाएंगे। 800 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों से ज्यादा की तैनाती नहीं की जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि दूसरे पक्ष ने संधि की सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया है, दोनों पक्ष हर साल सामरिक परमाणु हथियार स्थलों का अधिकतम 18 बार निरीक्षण कर सकते हैं। कोविड महामारी के कारण मार्च 2020 में समझौते के तहत निरीक्षण रोक दिए गए थे। निरीक्षण फिर से शुरू करने पर मास्को और वाशिंगटन के बीच पिछले नवंबर में मिस्र में वार्ता होनी थी, लेकिन रूस ने इसे स्थगित कर दिया और दोनों पक्षों ने कोई नई तारीख तय नहीं की है।

'खुदी को कर बुलंद इतना...', मलयेशिया दौरे पर पाकिस्तानी पीएम ने कराई किरकिरी, करते दिखे 'मुशायरा'

मनीला (एजेंसी)। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का मलयेशिया दौरा किसी अहम समझौते को लेकर चर्चा में नहीं है लेकिन पाकिस्तानी पीएम की अजीब हरकतों के चलते चर्चा में बना हुआ है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मलयेशिया के आधिकारिक दौरे पर हैं। सोमवार को पाकिस्तानी पीएम ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान, मलयेशिया के साथ साझा हितों वाले प्रोजेक्ट्स पर सहयोग करना चाहता है। हालांकि मलयेशियाई पीएम के साथ साझा बयान जारी करते समय शहबाज शरीफ कुछ ऐसा कर गए, जिसके लिए उनकी आलोचना हो रही है। दरअसल साझा बयान में शहबाज शरीफ शेर सुनाते नजर आए और उन्होंने संयुक्त बयान जैसे गंभीर इवेंट को भी मुशायरे में तब्दील कर दिया। साझा बयान जैसे गंभीर कार्यक्रम में हंसी मजाक करते नजर आए शहबाज शरीफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 5 अक्तूबर से 7 अक्तूबर तक मलयेशिया के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरे पर रविवार को पाकिस्तानी पीएम ने मलयेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त साझा बयान जारी किया। इस दौरान पाकिस्तानी पीएम ने अल्लामा इकबाल का एक शेर सुनाया, जिसमें उन्होंने कहा कि 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले खुद बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है...'। जिस वक्त पाकिस्तानी पीएम ये शेर सुना रहे थे तो वहां मौजूद लोग अचरज भरी निगाहों से उन्हें देख रहे थे क्योंकि उन्हें पाकिस्तानी पीएम की बात समझ ही नहीं आ रही थी।

'अमेरिकी सील्स ने पाकिस्तान में लादेन को किया था ढेर'

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- इतिहास इसे कभी नहीं भूलेगा

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी नौसेना के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर सील्स की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा- इतिहास कभी नहीं भूलेगा कि यह खास अमेरिकी बल ही था जिसने पाकिस्तान में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन के घर में घुसकर उसे मौत के घाट उतारा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी नेवी सील्स की जमकर तारीफ की और कहा कि इतिहास कभी नहीं भूलेगा कि यह खास अमेरिकी बल ही था जिसने पाकिस्तान में अल-कायदा नेता ओसामा बिन लादेन के घर में घुसकर उसे मौत के घाट उतारा था। ट्रंप यह बात सोमवार को नॉरफॉक, वर्जीनिया में नेवी के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम में बोलते हुए कही। उन्होंने कहा, 'इतिहास कभी नहीं भूलेगा कि सील्स ने बिन लादेन के मकान में घुसकर सिर में गोली मारी।' उन्होंने यह भी दोहराया कि 9/11 हमले से एक साल पहले उन्होंने बिन लादेन के बारे में चेतावनी दी थी। ट्रंप ने कहा, 'कृपया याद रखें, मैंने ओसामा बिन लादेन के बारे में ठीक एक साल पहले लिखा था, जब उन्होंने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला किया। मैंने कहा था कि 'ओसामा बिन लादेन पर नजर रखें'। लेकिन उन्होंने नहीं सुनी और एक साल बाद हमला हुआ।' ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका को अक्सर उसके काम

का श्रेय नहीं मिलता, इसलिए उन्हें खुद इसे लेना पड़ा। उन्होंने बताया कि अमेरिकी नेवी ने बिन लादेन की 'घिनौनी लाश' को यूएसएस कार्ल विन्सन एयरक्राफ्ट कैरियर से समुद्र में फेंक दिया, ताकि वह अंधेरी गहराइयों में डूब जाए। दरअसल, मई 2011 में अमेरिकी नेवी सील्स ने एक ऑपरेशन के दौरान बिन लादेन को मार गिराया था। यह ऑपरेशन तब के अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा मंजूरी मिलने के बाद किया गया था। उस समय ओबामा ने व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम से कहा था, 'मैं अमेरिकी जनता और दुनिया को रिपोर्ट कर सकता हूं कि अमेरिका ने ऐसा ऑपरेशन किया, जिसमें अल-कायदा के नेता ओसामा बिन लादेन को मार दिया गया। उन्होंने हजारों निर्दोष लोगों की हत्या की जिम्मेदारी ली थी।' ट्रंप ने अफगानिस्तान से अमेरिका की वापसी की आलोचना की राष्ट्रपति ट्रंप ने अफगानिस्तान से अमेरिका की बेरोकट नीति और वापसी की आलोचना करते हुए कहा कि अगर अमेरिका सही तरीके से काम करता, तो अफगान युद्ध आसानी से जीत सकता था। उन्होंने कहा, 'लेकिन हम राजनीतिक रूप से सही होने की वजह से धीमे पड़ गए। अब हम राजनीतिक रूप से सही नहीं हैं। अब हम जीतते हैं।'

इस बार सिर्फ दो चरण में मतदान, जानें बिहार में इससे पहले के पांच चुनाव कितने लंबे रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के विधानसा चुनाव के लिए सोमवार को तारीखों का एलान किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम के माध्यम से बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरण में होंगे। छह नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा और 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। 14 लाख मतदाता पहली बार डालेंगे वोट बिहार में कुल 7.43 करोड़ मतदाता हैं। 14 लाख मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। अनुसूचित जाति के लिए 38 और अनुसूचित जनजाति के लिए दो सीट आरक्षित होंगी। चुनाव आयोग के मुताबिक 90,712 मतदान केंद्र होंगे। इनमें 76,801 ग्रामीण क्षेत्रों में होंगे और 13,911 शहरों में होंगे। मतदान केंद्रों को सौ फीसदी वेब कास्टिंग होगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर औसत 818 मतदाता होंगे। तीन चरणों में हुआ था पिछला

विधानसभा चुनाव साल 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव तीन चरण में हुए थे। जबकि 2015 के विधानसभा चुनाव पांच चरण में हुए थे। उससे पहले 2010 के विधानसभा चुनाव छह चरण में हुए थे। किस चरण में कितनी सीटों पर हुआ था मतदान 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण में 71 सीटों पर मतदान हुआ था। दूसरे चरण में 94 और तीसरे चरण में 78 सीटों पर चुनाव हुआ था। वहीं, 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहले चरण में 49, दूसरे चरण में 32, तीसरे चरण में 50, चौथे चरण में 55 और पांचवें में 57 सीटों पर मतदान हुआ था। बिहार में कुल 243 विधानसभा सीटें हैं। छह चरण में हुए थे 2010 के बिहार विधानसभा चुनाव 2010 के विधानसभा चुनाव में छह चरणों में मतदान हुआ था। इनमें पहले चरण में 47 जिलों, दूसरे चरण में 45 जिलों, तीसरे चरण में 48 सीटों, चौथे चतरण में 42 सीटों, पांचवें चरण में 35 सीटों और छठे चरण में 26 सीटों पर मतदान हुआ था। राज्य में अक्तूबर 2005 में विधानसभा चुनाव हुए थे।

आप का आरोप- गोवा की सड़कें बेहद खराब, मुख्यमंत्री को भेजे गए एक लाख शिकायत पत्र

पणजी (एजेंसी)। गोवा दौरे के अंतिम दिन केजरीवाल ने पार्टी कार्यालय के सामने एक टेंपो को झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें ये सभी पत्र रखे गए थे। यह टेंपो मुख्यमंत्री सावंत के निवास की ओर भेजा गया, ताकि पत्र उन्हें सौंपे जा सकें। आम आदमी पार्टी (आप) और इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गोवा सरकार पर सड़कों की अनदेखी का आरोप लगाया। आप ने खराब सड़कों का मुद्दा उठाते हुए राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को एक लाख शिकायत पत्र भेजे। इन चिट्ठियों में गोवा के नागरिकों के हस्ताक्षर होने का दावा किया गया है। इनमें सड़कों की दुर्दशा पर नाराजगी जताई गई है। गोवा दौरे के अंतिम दिन केजरीवाल ने पार्टी कार्यालय के सामने एक टेंपो को झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें ये सभी पत्र रखे गए थे। यह टेंपो मुख्यमंत्री सावंत के निवास की ओर भेजा गया, ताकि पत्र उन्हें सौंपे जा सकें। पत्रकारों से बातचीत में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, ह्लमुझे हमेशा बताया गया था कि गोवा की सड़कें खराब हैं, लेकिन अब मैंने खुद इस स्थिति का अनुभव किया है। उन्होंने बताया कि अपनी यात्रा के पहले ही दिन उन्हें एक कार्यक्रम में पहुंचने में डेढ़ घंटे की देरी हुई क्योंकि गड्ढों से भरी सड़कों से बचने के लिए उन्हें लंबा रास्ता लेना पड़ा। केजरीवाल ने कहा कि गोवा में खराब सड़कों के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने भाजपा चे बुरक नाम से अभियान चलाया था। इस अभियान के तहत पार्टी को राज्य के एक लाख परिवारों से हस्ताक्षर मिलने का दावा किया गया है। उन्होंने कहा, गोवा में साढ़े तीन लाख परिवार हैं, जिनमें से एक लाख ने इस अभियान पर हस्ताक्षर किए।

ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के बीच ऐतिहासिक रक्षा संधि, चीन की चुनौती से निपटने की तैयारी

मेलबर्न (एजेंसी)। समझौते को लेकर पापुआ न्यू गिनी स्थित चीनी दूतावास ने एक बयान जारी किया था। उस बयान में चीन ने कहा कि द्विपक्षीय समझौता विशेष प्रकृति का नहीं होना चाहिए और न ही ये किसी संप्रभु देश को किसी भी कारण से किसी तीसरे देश के साथ सहयोग से प्रतिबंधित करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के नेताओं ने सोमवार को ऐतिहासिक रक्षा संधि पर हस्ताक्षर कर दिए। इस रक्षा संधि के जरिए दोनों देश प्रशांत महासागर में चीन के दबदबे को चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। चीन का भी मानना है कि यह संधि उसे अनुचित रूप से निशाना बनाती है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज और पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने इस समझौते को एक पारस्परिक रक्षा संधि बताया जो उनके रक्षा बलों और सैन्य कर्मियों के बीच एकीकरण करेगी। यह ऑस्ट्रेलिया और उसके सबसे करीबी पड़ोसी और पूर्व उपनिवेश पापुआ न्यू गिनी के बीच इस तरह की पहली संधि है। इस रक्षा संधि के अलावा ऑस्ट्रेलिया का, अमेरिका और न्यूजीलैंड के साथ भी गठबंधन स्तरीय सुरक्षा समझौता है, जो साल 1951 में हुआ था। ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी की संसद से मंजूरी मिलने के बाद इस संधि पर दोनों देशों के नेताओं ने हस्ताक्षर किए। संधि पर

हस्ताक्षर के बाद मीडिया से बात करते हुए ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने कहा कि 'ऑस्ट्रेलिया के लिए यह बहुत सम्मान की बात है कि उसका निकटतम पड़ोसी उसका नया सहयोगी बन गया है।' चीन ने बयान जारी कर कहा- समझौते में किसी तीसरे देश से सहयोग को प्रतिबंधित नहीं किया जाना चाहिए अल्बानीज ने आगे कहा, 'दोनों देश इस बात पर भी सहमत हुए हैं कि हम ऐसी कोई भी गतिविधि नहीं करेंगे या कोई भी समझौता नहीं करेंगे जिससे इस संधि के कार्यान्वयन में बाधा आए।' बीते दिनों ऑस्ट्रेलिया और पापुआ न्यू गिनी के बीच हुए इस समझौते को लेकर पापुआ न्यू गिनी स्थित चीनी दूतावास ने एक बयान जारी किया था। उस बयान में चीन ने कहा कि द्विपक्षीय समझौता विशेष प्रकृति का नहीं होना चाहिए और न ही ये किसी संप्रभु देश को किसी भी कारण से किसी तीसरे देश के साथ सहयोग से प्रतिबंधित करना चाहिए। दूतावास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'इसे किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाने या उसके वैध अधिकारों और हितों को कमजोर करने से भी बचना चाहिए।' चीन की चिंताओं को पापुआ न्यू गिनी ने खारिज किया मारापे ने सोमवार को कहा 'पापुआ न्यू गिनी की विदेश नीतिः सभी के मित्र, किसी के शत्रु नहीं की रही है और ये संधि भी उस नीति को कमजोर नहीं करती है।' उन्होंने कहा कि 'हम पारदर्शी रहे हैं। हमने चीन को बताया है कि ऑस्ट्रेलिया, हमारा पसंदीदा सुरक्षा साझेदार बन गया है और वे इसे समझते हैं।' गौरतलब है कि हाल के वर्षों में अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया, दोनों ने पापुआ न्यू गिनी के साथ सैन्य संबंध बढ़ाए हैं, जिसे प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने में एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा जाता है। चीन ने सोलोमन द्वीप समूह के साथ एक सुरक्षा समझौता किया, जिससे दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में एक चीनी नौसैनिक अड्डा स्थापित होने की संभावना बढ़ गई है।

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु का इस्तीफा, एक महीने से भी कम समय का रहा कार्यकाल

पेरिस (एजेंसी)। लेकोर्नु के इस्तीफे से फ्रांस में राजनीतिक संकट गहरा गया है और राष्ट्रपति मैक्रों पर भी दबाव बढ़ गया है। मैक्रों अब तक तीन असफल अल्पमत सरकारों का नेतृत्व कर चुके हैं। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु ने सोमवार को पीएम पद से इस्तीफा दे दिया। सेबेस्टियन लेकोर्नु का बतौर प्रधानमंत्री कार्यकाल एक महीने से भी कम समय का रहा। इसके साथ ही साल 1958 के बाद सेबेस्टियन लेकोर्नु फ्रांस के सबसे कम समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। मंत्रिमंडल के एलान के बाद निशाने पर आए लेकोर्नु फ्रांस के प्रधानमंत्री का नियुक्ति के कुछ हफ्ते बाद ही इस्तीफा देना, फ्रांस की राजनीति में गहरे संकट का संकेत दे रहा है। लेकोर्नु को 9 सितंबर को प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त किया गया

था। लेकोर्नु को अपने मंत्रिमंडल की घोषणा के बाद ही उनकी अपनी पार्टी और विपक्षी खेमे की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। दरअसल लेकोर्नु के मंत्रिमंडल में 18 नामों में से 12 नाम पिछली सरकार में शामिल नेताओं के थे, जिसके बाद लेकोर्नु की आलोचना शुरू हो गई। लेकोर्नु को मंगलवार को अपनी सरकार का रोडमैप बताने के लिए नेशनल असेंबली को संबोधित करना था, लेकिन उससे पहले ही उनका इस्तीफा हो गया। फ्रांस में बढ़ता घाटा और कर्ज बड़ी समस्या लेकोर्नु के इस्तीफे से फ्रांस में राजनीतिक संकट गहरा गया है और राष्ट्रपति मैक्रों पर भी दबाव बढ़ गया है। मैक्रों अब तक तीन असफल अल्पमत सरकारों का नेतृत्व कर चुके हैं। लेकोर्नु को फ्रांस के बढ़ते घाटे को कम करने के लिए संसद में एक संतुलित बजट पारित कराने का राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण काम सौंपा गया था।

तिब्बत में माउंट एवरेस्ट पर भारी बर्फबारी; करीब 1000 पर्वतारोही फंसे

रेस्क्यू अभियान जारी

काठमांडू (एजेंसी)। तिब्बत की माउंट एवरेस्ट की ढलानों पर बर्फीले तूफान के कारण करीब 1000 पर्वतारोही फंसे हुए हैं। वहीं नेपाल में भारी बारिश से 52 लोगों की मौत और चीन में टाइफून माटमो के चलते लाखों लोग सुरक्षित निकाले गए। तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में बर्फीले तूफान के कारण 1,000 से अधिक पर्वतारोही फंस गए हैं। शिविरों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए बचाव अभियान चल रहा है। यह क्षेत्र 4,900

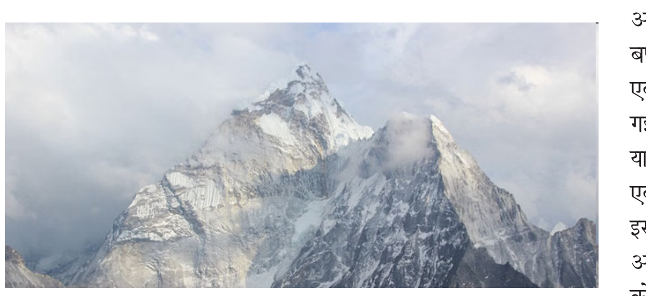

मीटर की ऊंचाई पर है। बर्फ हटाने के लिए स्थानीय लोगों के साथ विभिन्न बचाव दलों को लगाया गया है। कुछ लोगों को बचा भी लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार शाम को भारी बर्फबारी शुरू हुई और तिब्बत में माउंट एवरेस्ट की पूर्वी ढलानों पर यह तेज हो गई है, जो पर्वतारोहियों और पैदल यात्रियों के बीच लोकप्रिय क्षेत्र है। माउंट एवरेस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,849 मीटर से भी अधिक है। चीन में इसे माउंट कोमोलांगमा के नाम से जाना जाता है। नेपाल में भी प्राकृतिक आपदा एवरेस्ट के पड़ोसी देश नेपाल में भारी बारिश से भूस्खलन और अचानक बाढ़ आई, जिससे अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। चीन में टाइफून माटमो का असर इस बीच टाइफून माटमो, जो 2025 के प्रशांत क्षेत्र का 21वां नामित तूफान है, रविवार को दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के जहानजियांग शहर में तट पर पहुंचा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।